● वर्ष-4
● अंक-119
रायपुर, शनिवार
28 दिसंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» मध्यप्रदेश में घूमने की 5 प्रमुख जगह

निगम बोध घाट पर होगा मनमोहन सिंह अंतिम संस्कार

कांग्रेस ने दिल्ली में स्मारक स्थल की मांग की

नईदिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा नेता और सांसद राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में बैठक हुई। यह बैठक पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए बुलाई गई थी। वहीं, कांग्रेस ने केंद्र से मांग की है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए दिल्ली में यमुना नदी के किनारे स्थल दी जाए, जहां कई पूर्व प्रधानमंत्रियों के स्मारक हैं।

कांग्रेस का साफ तौर पर मानना है कि दिवंगत पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के लिए उनके कद के अनुसार अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए उचित स्थान दिया जाना चाहिए। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का

अंतिम संस्कार कल (28 दिसंबर) सुबह 11:45 बजे निगम बोध घाट पर किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कांग्रेस कार्य समिति एक सच्चे राजनेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करती है, जिनके जीवन और कार्य ने भारत की नियति को गहराई से आकार दिया है। डॉ. सिंह भारत के राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में एक महान व्यक्ति थे, जिनके योगदान ने देश को बदल दिया और उन्हें दुनिया भर में सम्मान मिला। 1990 के दशक की शुरुआत में वित्त मंत्री के रूप में, डॉ. सिंह भारत के आर्थिक उदारीकरण के वास्तुकार थे।

इसमें आगे कहा गया कि बेजोड़ दूरदर्शिता के साथ, उन्होंने सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसने न केवल देश को भुगतान संतुलन संकट से बचाया बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए दरवाजे भी खोले। विनियमन, निजीकरण और विदेशी निवेश को प्रोत्साहन की अपनी नीतियों के माध्यम से, उन्होंने भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि की नींव रखी। उनके नेतृत्व में, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरा, जो उनकी प्रतिभा और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

मनमोहन सिंह के निधन पर सोनिया गांधी ने भी बड़ा संदेश लिखा है। उन्होंने लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से, हमने एक ऐसा नेता खो दिया है जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता का प्रतीक था, जिसने पूरे दिल और दिमाग से हमारे देश की सेवा की। कांग्रेस पार्टी के लिए एक चमकदार और प्रिय मार्गदर्शक, उनकी करुणा और दूरदर्शिता ने लाखों भारतीयों के जीवन को बदल दिया और सशक्त बनाया। उनके शुद्ध हृदय और उत्कृष्ट दिमाग के कारण उन्हें भारत के लोग बहुत प्यार करते थे।

गांधी ने कहा कि उनकी सलाह, बुद्धिमत्तापूर्ण सलाह और विचारों की हमारे देश के राजनीतिक क्षेत्र में उत्सुकता से मांग की जाती थी और उन्हें गहराई से महत्व दिया जाता था। दुनिया भर के नेताओं और विद्वानों द्वारा उनका सम्मान और प्रशंसा की गई, उन्हें अपार ज्ञान और कद के राजनेता के रूप में सराहा गया।

मनमोहन आर्थिक सुधारों के वास्तुकार थे-हरदीप

नईदिल्ली। पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह को आर्थिक सुधारों का वास्तुकार कहते हुए, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि जब अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही थी, तब वह अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सक्षम थे। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम का निधन एक बड़ी क्षति है। वह एक महान राजनेता, दिग्गज व्यक्ति थे। मुझे लगभग 50 वर्षों तक उन्हें जानने का सौभाग्य मिला। उन्हें कई चीजों के लिए याद किया जाएगा, वे पीवी नरसिम्हा राव जी के साथ आर्थिक सुधारों के वास्तुकार थे, लेकिन मुकाबला अधिक

महत्वपूर्ण हो गया। जब अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही थी तब वह अर्थव्यवस्था को संभालने में सक्षम थे। भाजपा नेता ने आगे कहा कि प्रारंभ में, यह भुगतान संतुलन का संकट था। जब उन्होंने उन कठिनाइयों को देखा, तो आर्थिक सुधार किए गए जो बाद में आए विकास का आधार बने। समान रूप से, यदि आप विदेश नीति के मोर्चे पर देखें तो भारत-अमेरिका संबंध झिझक के इतिहास से आगे बढ़ते हैं, जो रणनीतिक साझेदारी के आधार पर बना। परमाणु समझौते का बहुत विरोध हुआ लेकिन यह मनमोहन सिंह का संकल्प और दृढ़ संकल्प था जिसने यह सुनिश्चित किया कि समझौता हो सके। मनमोहन सिंह के निधन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन का हम सभी को बहुत दुख है। देश में उनकी एक अपनी छवि रही है एक अर्थशास्त्री के रूप में, एक वित्त सचिव के रूप में, एक रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में, मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने अपने कर्तव्यों का बहुत अच्छे से निर्वाहन करने का प्रयास किया।

अमेरिका के वीजा के मामले में तोड़े रिकॉर्ड

वॉशिंगटन। अमेरिका के वीजा के मामले में भारतीयों ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए है। लगातार दूसरे साल 10 लाख से अधिक का आंकड़ा छुआ है। अमेरिकी दूतावास ने बताया कि भारत में अमेरिकी मिशन ने 2024 में लगातार दूसरे साल 10 लाख से अधिक गैर-आप्रवासी वीजा जारी किए। इसमें रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक वीजा शामिल हैं। यह संख्या भारत से अमेरिका यात्रा की बढ़ती मांग को दर्शाता है, जो खासतौर पर पर्यटन, व्यापार और शिक्षा के उद्देश्यों के लिए है। विदेश विभाग ने इस साल अमेरिका में एच-1बी वीजा नवीनीकरण के लिए एक सफल पायलट कार्यक्रम पूरा किया। इसके तहत भारत के कई विशेषज्ञ श्रेणी के कार्यकर्ता अमेरिका में ही अपने वीजा का नवीनीकरण करवा सके। इस पायलट कार्यक्रम ने हजारों आवेदकों के लिए नवीनीकरण प्रक्रिया को सरल बना दिया। बता दें, विदेश विभाग औपचारिक रूप से 2025 में यूएस-आधारित नवीनीकरण कार्यक्रम स्थापित करने के लिए काम कर रहा है। भारत में अमेरिकी मिशन ने हजारों आप्रवासी वीजा भी जारी किए। इससे कानूनी तरीके से परिवारों का पुनर्मिलन और कुशल पेशेवरों का अमेरिका में प्रवासन संभव हुआ। ये आप्रवासी वीजा धारक अपने आगमन पर स्थायी निवासी बन गए, जो अमेरिका में पहले से मौजूद भारतीय प्रवासी समुदाय को और मजबूत करेंगे।

24 हजार से अधिक पासपोर्ट दिए

अमेरिकी मिशन ने 24,000 से अधिक पासपोर्ट और अन्य कांसुलर सेवाएं भी प्रदान कीं, जो भारत में रहने और यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए थीं। 2024 में स्मार्ट ट्रैवलर एंरॉलमेंट प्रोग्राम (स्क्षश्वक्क) का नया संस्करण शुरू किया गया, जिससे अमेरिकी दूतावास और कांसुलेट्स के लिए आपात स्थितियों के दौरान अमेरिकी नागरिकों से संपर्क करना और सुरक्षा संबंधित अलर्ट भेजना आसान हो गया।

सबसे अधिक छात्रों को भेजने वाला देश बना भारत

भारत ने 2024 में पहली बार 2008/2009 शैक्षिक वर्ष के बाद अमेरिका में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्रों को भेजने वाला देश बनकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। इस वर्ष, अमेरिका में अध्ययन करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 331,000 से अधिक रही। भारत ने लगातार दूसरे वर्ष अंतरराष्ट्रीय स्नातक छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत बना और भारतीय स्नातक छात्रों की संख्या में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो लगभग 200,000 छात्रों तक पहुंच गई।

अब कई एक्सचेंज विजिटर्स को अपने कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद दो साल तक अमेरिका में रहने की अनुमति मिलेगी, जिससे उन्हें अपने करियर और शिक्षा को आगे बढ़ाने के अधिक अवसर मिलेंगे।

दलित हो सकता है भाजपा का नया अध्यक्ष?

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने चल रहे आंतरिक संगठन चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा। माना जा रहा है कि अगले साल फरवरी के अंत तक एक नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति हो सकती है। फिलहाल बूथ, जिला और मंडल अध्यक्षों का चुनाव राज्य इकाइयों द्वारा किया जा रहा है। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नये प्रदेश अध्यक्षों का चयन किये जाने की उम्मीद है। 15 जनवरी तक कम से कम आधे राज्यों में नए प्रमुख मिलने की संभावना है। इसके बाद, भाजपा जगत प्रकाश नड्डा की जगह नया अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू करेगी। नए अध्यक्ष को लेकर अटकलों का दौर जारी है। बताया जा रहा है कि जो नया अध्यक्ष बनेगा उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छाप और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन होगा। हालाँकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(आरएसएस) की बढ़ती भागीदारी के साथ, जैसा कि हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में देखा गया था, आरएसएस का समर्थन और एक मजबूत संगठनात्मक पृष्ठभूमि भी आवश्यक है। सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि चयन को लेकर मोदी-शाह और आरएसएस के बीच तालमेल बनाए रखने के अलावा, बीजेपी नेतृत्व नए बीजेपी प्रमुख को चुनते समय जाति कारक पर भी विचार करेगा।

सूत्रों के अनुसार, यह देखते हुए कि नड्डा एक ब्राह्मण हैं और मोदी अन्य पिछड़ा समुदाय (ओबीसी) से हैं, और बी आर अंबेडकर की वर्तमान प्रमुखता को देखते हुए, भाजपा एक दलित प्रतिनिधि को चुन सकती है। एक दलित मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में, कांग्रेस तर्क तैयार कर रही है कि भाजपा दलितों के खिलाफ है। ऐसे में भाजपा का ये कदम उसके लिए प्रभावी साबित हो सकता है। अंबेडकर पर शाह की टिप्पणी को लेकर संसद में हुए विवाद के बाद बीजेपी के लिए विपक्ष को शांत करने के लिए एक दलित नेता की नियुक्ति सबसे कारगर तरीका हो सकता है।

नेताओं ने स्वीकार किया है कि चयन पूल उन दलित नेताओं के संदर्भ में प्रतिबंधित है जिनके पास एक मजबूत संगठनात्मक आधार और आरएसएस का समर्थन है। इस संदर्भ में प्रमुख उम्मीदवार केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पार्टी महासचिव दुष्यंत गौतम और उत्तर प्रदेश की मंत्री बेबी रानी मौर्य हो सकते हैं। उम्र भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नई पीढ़ी के नेताओं को बढ़ावा न देने के लिए भाजपा के वर्तमान नेतृत्व की आलोचना की गई है, और एक युवा पार्टी प्रमुख की नियुक्ति एक सुधारात्मक उपाय के रूप में काम कर सकती है। अब तक, इस पद के लिए संभावित उम्मीदवारों के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, जिनमें केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, भूपेन्द्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान और वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े शामिल हैं।

प्रमुख समाचार

गोंदिया में 7 लाख के इनामी नक्सली देवा ने किया सरेंडर

नईदिल्ली। 7 लाख रुपये के इनामी 27 वर्षीय नक्सली ने महाराष्ट्र के गोंदिया में आत्मसमर्पण कर दिया। देवा उर्फ अर्जुन उर्फ राकेश सुमदो मुदाम प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मलाजखंड दलम और पामेड़ प्लाटून नंबर 9 का हिस्सा था। देवा ने कलेक्टर प्रजीत नायर, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे और अतिरिक्त एसपी नित्यानंद झा के सामने अपने हथियार डाल दिए। पुलिस द्वारा साझा किए गए बयान के अनुसार, देवा, जिस पर 7 लाख रुपये का इनाम है, गढ़चिरौली के टीपागढ़, छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के झिलमिली काशीबेहरा बकरकट्टा में गोलीबारी के मामलों के साथ-साथ नक्सली हिंसा और सुरक्षा बलों पर हमलों की अन्य घटनाओं में शामिल था। वह 2014 से गैरकानूनी आंदोलन का हिस्सा थे, जब वह सिर्फ किशोर थे और उन्होंने महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ क्षेत्र में सेवा की थी। पिछले हफ्ते, 8 लाख रुपये के दो इनामी नक्सलियों ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। गढ़चिरौली निवासी रामसु पोयम उर्फ नरसिंह (55) और पड़ोसी छत्तीसगढ़ के नारायणपुर के मूल निवासी रमेश कुंजम उर्फ गोविंद (25) ने गढ़चिरौली पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ पुलिस का एक्शन

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी को निर्वासित कर दिया है जो कथित तौर पर पिछले छह वर्षों से राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रह रहा था। पुलिस द्वारा पहले अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई थी, जिसके माध्यम से उन्होंने 1,500 से

अधिक बांग्लादेशी अप्रवासियों की पहचान की और दो को अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले अवैध प्रवासियों की जांच करने के हमारे विशेष अभियान के दौरान हमें एक 28 वर्षीय महिला के बारे में पता चला। वह विदेशी अधिनियम का उल्लंघन करके मुंबई और दिल्ली में रह रही थी। महिला, जिसके बारे में पता चला है कि वह बांग्लादेश के नरैल सदर उपजिला के सिंगशोलपुर गांव की मूल निवासी है, उचित दस्तावेज के बिना भारत में रह रही थी, जिससे उसके अनधिकृत अप्रवास पर चिंता बढ़ गई थी। उसकी पहचान करने और निर्वासित करने का अभियान दिल्ली पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स यूनिट द्वारा चलाया गया था।

अब संभल की शाही जामा मस्जिद पर 24 घंटे रहेगी पुलिस

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के पास खाली पड़े मैदान में पुलिस चौकी बनाएगी। प्रस्तावित पुलिस चौकी का निर्माण शुरू होते ही आरएएफ के जवान तैनात होंगे। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र ने यह जानकारी दी। हालांकि चौकी का नाम क्या होगा इसे लेकर उन्होंने अभी

कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। संभल में सुरक्षा की दृष्टि से नयी पुलिस चौकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जहां 24 घंटे पुलिस तैनात रहेगी। उल्लेखनीय है कि 24 नवंबर को शाही मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। उम्मीद है कि कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव संभल की जामा मस्जिद के मूल रूप से हरिहर मंदिर होने के दावे से संबंधित सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट संभवत: जनवरी 2025 के पहले सप्ताह में सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी। जिला प्रशासन ने संभल कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत कोट पूर्वी में प्राचीन मृत्यु कूप की खुदाई और जीर्णोद्धार का काम बृहस्पतिवार को शुरू कर दिया।

रेलवे बोर्ड ने की 23 नए मंडल रेल प्रबंधकों की नियुक्ति

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने करीब ढाई महीने के इंतजार के बाद 23 मंडल रेल प्रबंधकों की नियुक्ति की। ये नियुक्तियां गुरुवार से प्रभावी हुईं। मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) का काम किसी एक रेल मंडल की जिम्मेदारी देखना होता है। डीआरएम का कार्यकाल आमतौर पर दो साल का होता है, जिसके बाद उन्हें क्षेत्रीय मुख्यालय में किसी समकक्ष या पदोन्नति वाले पर ट्रांसफर कर दिया जाता है। बोर्ड ने संबंधित जोनों के महाप्रबंधकों को 23 अलग-अलग आदेश जारी किए हैं और उन्हें मौजूदा मंडल रेल प्रबंधकों के स्थान पर नए मंडल रेल प्रबंधकों की नियुक्ति के बारे में जानकारी दी है। कुछ अधिकारी पिछले दो महीने से अधिक समय से मंडल रेल प्रमुखों की नियुक्ति में देरी पर चिंता जता रहे थे। दो साल का कार्यकाल खत्म होने पर ये नई नियुक्तियां समय पर होनी चाहिए थी। लेकिन इस बार इस प्रक्रिया में देरी हुई। कुछ मंडल रेल प्रबंधकों ने पीटीआई से देर करते हुए कहा कि यह देरी उनके कामकाजी माहौल और परियोजनाओं को प्रभावित कर सकती थी। खासतौर पर नई परियोजनाओं को शुरू करने में दिक्कत हो सकती थी। रेलवे बोर्ड ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मंडल रेल प्रबंधकों की नियुक्ति में देरी का कामकाजी दक्षता से कोई संबंध नहीं है।

आदिवासियों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर नोटिस

नईदिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने तिरुवनंतपुरम जिले के बाहरी इलाके में आदिवासियों के बीच आत्महत्याओं में चिंताजनक वृद्धि की रिपोर्ट के बाद केरल सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को नोटिस भेजा। एनएचआरसी ने कहा कि अकेले इस साल लगभग 23 आत्महत्याएं दर्ज की गईं।

अनुमान के अनुसार 2011-2022 के बीच लगभग 138 घटनाएं जिले के पेरिंगममाला पंचायत में हुईं। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा, अब दो साल की अपेक्षाकृत शांति के बाद, जिले की आदिवासी बस्तियों में आत्महत्याओं का सिलसिला फिर से शुरू हो गया है। परिवार और आदिवासी कार्यकर्ता इन मौतों का कारण सामाजिक दबाव, अंतर-सामुदायिक विवाह और रिश्तों पर उत्पीड़न और बढ़ती शराब के दुरुपयोग और सेक्स रैकेट जैसे मुद्दों के कारण होने वाले गंभीर तनाव को मानते हैं। आयोग ने पाया कि मीडिया रिपोर्ट की सामग्री, यदि सच है, तो केरल में विशेष क्षेत्र में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों के व्यक्तियों के जीवन के अधिकार और सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकारों से संबंधित एक गंभीर मुद्दे का संकेत देती है।

मनमोहन देश के इकलौते प्रधानमंत्री, जिनका नोटों पर भी हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह गुरुवार को 92 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए। डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने से पहले आरबीआई गवर्नर, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री का भी कार्यभार संभाला था। उन्हें उदारीकरण के जरिए देश को गंभीर आर्थिक संकट से निकालने का श्रेय जाता है। इसके अलावे उनके नाम एक विशेष उपलब्धि भी है। वे देश के एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री रहे हैं, जिनका हस्ताक्षर भारत के नोटों (करेंसी) पर रहा।

2005 में डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री के पद पर थे तब भारत सरकार ने 10 रुपये का एक नया नोट जारी किया था। उस पर मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर थे। हालांकि नियमों के अनुसार उस समय नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते थे। लेकिन 10 रुपये के नोट पर मनमोहन सिंह का हस्ताक्षर एक विशेष बदलाव के तहत किया गया था। डॉ. मनमोहन सिंह ने 16 सितंबर 1982 से लेकर 14 जनवरी 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर का पदभार संभाला था। उस दौरान छपने वाले नोटों पर मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर हुआ करते थे। भारत में यह व्यवस्था आज भी है कि करेंसी पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की नहीं, बल्कि आरबीआई गवर्नर ही साइन करते हैं।

आर्थिक सुधारों का युग शुरू किया

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को देश के आर्थिक उदारीकरण का पुरोधा कहा जाता है। अर्थशास्त्र पर उनकी गहरी पकड़ और रुचि थी। 1991 में नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए उन्हें देश में लाइसेंस राज खत्म करने का श्रेय जाता है। उनके द्वारा किए गए सुधारों ने भारतीय

अर्थव्यवस्था को एक नई राह दिखाई। मनमोहन सिंह ने जब 1991 वित्त मंत्रालय की बागडोर संभाली थी, तब भारत का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 8.5 प्रतिशत के करीब था, भुगतान संतुलन घाटा बहुत बड़ा था और चालू खाता घाटा भी जीडीपी के 3.5 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया था था। देश के पास जरूरी आयात का खर्च जुटाने के लिए केवल दो हफ्ते विदेशी मुद्रा ही शेष बचा था। देश को अपना सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था। हालांकि मनमोहन पद संभालने के बाद अपने दूरदर्शी फैसलों से देश को आर्थिक संकट के दौर से निकालने में कामयाब रहे। आगे चलकर देश का गिरवी रखा सोना भी आरबीआई को लौटाया गया।

देश वैश्वीकरण की राह पर बढ़ा आगे

24 जुलाई 1991 को केंद्रीय बजट 1991-92 पेश करते हुए डॉ. मनमोहन सिंह नए आर्थिक युग की शुरुआत की थी। उन्होंने आर्थिक सुधार, लाइसेंस राज का खात्मा और कई क्षेत्रों को निजी व विदेशी कंपनियों के लिए खोलने जैसे साहसिक कदम उठाए। उन्होंने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), रुपये के अवमूल्यन, करों में कटौती और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण की अनुमति देकर एक नई शुरुआत की। आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति की शुरुआत में उनकी भूमिका को दुनिया भर में स्वीकार किया गया। उनकी नीतियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण की दिशा में ले जाने का काम किया। वह 1996 तक वित्त मंत्री के तौर पर आर्थिक सुधारों को अमलीजामा पहनाते रहे।

मनरेगा और आधार का श्रेय

मई 2004 में मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने का मौका मिला। मनमोहन सिंह की सरकार 2005 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) लेकर आई और बिक्री कर की जगह मूल्य वर्धित कर (वैट) लागू हुआ। इसके अलावा उन्होंने देश भर में 76,000 करोड़ रुपये की कृषि ऋण माफी और ऋण राहत योजना लागू कर करोड़ों किसानों को लाभ पहुंचाने का काम किया। देश में आधार जैसी पहचान प्रणाली शुरू करने का काम भी डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में ही शुरू हुआ।

खास बातें

- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दो गवर्नर वित्त मंत्री बने- उनमें एक मनमोहन सिंह और दूसरे थे सीडी देशमुख।
- चार वित्त मंत्री प्रधानमंत्री बने- ये नाम हैं मोरारजी देसाई, चरण सिंह , वी.पी. सिंह और मनमोहन सिंह।
- चार शीर्ष नौकरशाह जो वित्त मंत्री बने- उनमें एचएम पटेल, सीडी देशमुख, यशवंत सिन्हा और मनमोहन सिंह का नाम।
- मनमोहन सिंह धाराप्रवाह हिंदी बोल सकते थे, लेकिन उर्दू में भाषा में उनकी दक्षता के कारण उनके भाषण उर्दू में लिखे जाते थे।
- मनमोहन सिंह को 1993 में यूरोमनी और एशियामनी की ओर से फाइनेंस मिनिस्टर ऑफ द ईयर के रूप में नामित किया गया
- 1962 में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मनमोहन सिंह को सरकार में पद की पेशकश की तो सिंह ने कर दिया था अस्वीकार

डीएमएफ फंड रुकने से वेतन के पड़े लाले

■ दो डॉक्टरों ने छोड़ी नौकरी, विकास कार्यों की रफ्तार धीमी

बीजापुर। बीजापुर जिले में डीएमएफ फंड रुक गया है जिसके चलते कई कामकाज में रोड़ा आ गया है। फंड के आभाव में निर्माण सहित कई कार्यों कि रफ्तार थम गई है। राज्य में डीएमएफ फंड में घोटालो कि खबरे सामने आने के बाद इस वक्त वर्तमान सरकार इस पर शख्ती से काम कर रही हैं। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में फंड देना बंद कर दिया हैं। बीजापुर जिले कि हालत बहुत ही बुरी है।

डीएमएफ से चलने वाले कार्य थम गए हैं। इस मद से सैंकड़ो कर्मचारी शासकीय विभागों में कार्यरत हैं। उनके वेतन के लाले पड़े हुए हैं। पिछले कुछ महीनों से राज्य में चल रही खींचतान के बाद फंड का रोड़ा बना हुआ हैं। बता दे कि केंद्र सरकार ने 2015 में प्रधानमंत्री खदान क्षेत्र कल्याण योजना के कानूनी प्रावधानों के तहत जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) का कानून बनाया था। इसके तहत प्रदेश से निकलने वाले गौण खनिज की रॉयल्टी के अनुपात में एक निश्चित रकम डीएमएफ में जमा होती है। इसका ख़र्च जिले में जरुरत के हिसाब से किया जाता हैं। कलेक्टरों की अध्यक्षता में कमेटियों का गठन किया था।

साल 2018 में कांग्रेस सरकार आने के बाद इस व्यवस्था को बदल दिया गया था कुछ महीनों से खबरे यहाँ आ रही थी कि डीएमएफ फंड में बड़ा घोटाला हुआ हैं इस मद का दुरूपयोग करते हुए कई करोड़ अन्दर किए हैं इसकी उच्च स्तरीय जाँच चल रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग का महाना 48 लाख का होता हैं भुगतान

डीएमएफ मद से स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का महाना मोटा रकम देना पड़ता हैं स्वास्थ्य विभाग के 155 कर्मचारियों का 48 लाख रुपए का भुगतान हर महा किया जाता हैं बीजापुर में 90 भोपालपटनम में 17 भैरमगढ़ में 25 उसूर में 23 कर्मचारी कार्यरत हैं ।आलम यह हैं कि नक्सल प्रभावित जिले में डीएमएफ मद से नियुक्त कर्मचारियों को चार माह से वेतन नहीं मिल रहा हैं क्युकी जिले में फंड कि कमी हैं इसमें सबसे ज्यादा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी हैं डॉक्टर सहित स्टॉफ नर्स तृतीय, चतुर्थ वर्ग कर कर्मचारी शामिल हैं ।इसके साथ ही अन्य विभागों में कार्य कर रहे कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया जा रहा हैं।

निर्माण सहित कई कार्यों पर थम गई रफ्तार

सत्ता परिवर्तन के बाद जिले में डीएमएफ फंड नहीं होने से सम्पूर्ण जिले में चल रहे निर्माण सहित अन्य कार्य थम गए हैं विकास कि गति थम सी गई हैं। ऐसा ही रहा तो जिले कि आर्थिक स्तिथि ख़राब होंगी इससे जुड़े कई लोगो पर इसका प्रभाव पड़ेगा।

बारह हजार कि सैलरी वाले शिक्षदूतों की मुस्किलें बड़ीं

जिले के दूर नक्सल प्रभावित इलाकों में यहां आज भी कई स्कूल झोपड़ीयों में संचालित हो रहे हैं तो कई स्कूलों में झोपडी भी नहीं है। आधे से अधिक स्कूलों में नियमित शिक्षकों की पोस्टिंग तक नहीं की गई है। गांव के बारहवी पास युवाओं को शिक्षा दूतों के भरोसे कई कक्षाएं संचालित की जा रही है। लेकिन उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा हैं। कई महीनों से इनकी सैलरी लड़की हुई हैं। डीएमएफ फंड कि कमी के चलाते शिक्षादूत भी परेशान है।

दो डॉक्टरो नें छोड़ी नौकरी

वेतन नहीं मिलने से परेशान जिला अस्पताल के अब तक दो डॉक्टरो नें नौकरी छोड डी हैं इसमें सचिन पापडे स्त्री रोग विशेषज्ञ, आरुषि शर्मा जनरल मेडिसीन शामिल हैं। और डॉक्टरों ने वेतन नही मिलने से नाराज कलेक्टर ज्ञापन दिया एक माह के अंदर वेतन नही मिलने से नौकरी से रिजाइन देने की बात कह रहे है। दो डॉक्टर हर माह में बराबर सौलरी नहीं मिलने से अपना रिजाइन लेटर थमाकार चले गए हैं।

प्रेम कुमार आईल जिला अध्यक्ष डीएमएफ संघ ने बताया कि पिछले कई महीने से वेतन बराबर नही मिल रहा है, इसकी शिकायत हमने स्वास्थ्य मंत्री को भी की है, उस समय एक महा का वेतन डाला था। लेकिन पिछले चार माह से वेतन नही मिल रहा है। कलेक्टर और सीएमएचओ को भी आवेदन दिया गया। लेकिन वे फंड नही होने की बात कह रहे है।

सड़क निर्माण में अतिक्रमण बनी बाधा, एसडीएम ने अवैध दुकानों को थमाया नोटिस

कोरबा। उपनगरीय क्षेत्र कटघोरा में नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 5 में सीसी रोड निर्माण का कार्य चल रहा है। लेकिन आरोप लग रहे हैं कि अतिक्रमण की वजह से रोड निर्माण के रास्ते में दुकानें मौजूद हैं। जिसके कारण निर्माणाधीन रोड को ठेकेदार और इंजीनियर तिरछा कर रहे थे। सीसी रोड के निर्माण में अनियमित बरतने के आरोप भी लग रहे हैं, जिसकी शिकायत पर कटघोरा एसडीएम से की गई है।

वार्ड क्रमांक 5 नवागांव के निवासी अधिवक्ता निलेश श्रीवास ने एसडीएम से इस संबंध में शिकायत की थी। जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि वर्तमान में नए सीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा है। सीसी रोड में ठेकेदार और इंजीनियर रोड निर्माण के मापदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं। निर्माण के पूर्व 20 सेंटीमीटर सड़क खोदकर रोड बनाने का प्रावधान है, लेकिन इसका उल्लंघन हो रहा है।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, वर्तमान में जिस स्थान पर निर्माण कार्य हो रहा है, वहां पर अवैध निर्माण कर दुकान और मकान बनाया गया है। जिस वजह से सीसी रोड को सीधा ना बनाते हुए तिरछा किया जा रहा है। पहले भी इसकी शिकायत की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब उसी विवादित स्थल पर दोबारा निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे भविष्य में कठिनाई होगी और अवैध निर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही रोड का निर्माण भी गुणवत्ताहीन तरीके से हो जाएगा।

एसडीएम रोहित सिंह ने कहा नियमों के अनुसार काम किया जाएगा। यदि अतिक्रमण की शिकायत सही पाई गई तो कार्रवाई होगी। सीसी रोड निर्माण में भी किसी तरह की गड़बड़ी न हो, इस बात का ध्यान रखने को कहा गया है।

इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कटघोरा एसडीएम रोहित सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने सड़क निर्माण के रास्ते में आने वाले दुकानों को नोटिस थमाया है। ठेकेदार और इंजीनियर को रोड सीधा करने के भी निर्देश दिए हैं।

गन्ने की कमी से जूझ रही शुगर फैक्ट्री, किसान भी परेशान

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एकमात्र उद्योग के रूप में स्थापित मां दंतेश्वरी सहकारी शक्कर कारखाना काफी समस्याओं के बीच संचालित है। इस कारखाने की क्षमता 2 लाख मैट्रिक टन पराई की है। लेकिन यहां गन्ने की कमी की वजह से 70 हजार मीट्रिक टन मात्र का ही पेराई होती है। वहीं, किसानों ने बताया कि उन्हें गन्ना बेचने के लिए लेट लतीफन का सामना करना पड़ता है।

मां दंतेश्वरी सहकारी शक्कर कारखाने के मैनेजिंग डायरेक्टर बसंत कुमार ने बताया कि 6 दिसंबर से यहां पेराई की शुरुआत की गई थी। अब तक यहां पर 15 हजार 598 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई हो गई है। 13 हजार 145 क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया जा चुका है। उन्होंने एक करोड़ रुपए का भुगतान जल्द होने की बात कही गई है।

एमडी बसंत कुमार ने कहा शक्कर का जो प्रतिशत है, वह 9।46 है। पिछले वर्ष 11 प्रतिशत तक की रिकवरी हुई थी। वहां तक पहुंचाने की कोशिश प्रबंधन द्वारा किया जा रहा है। किसानों को एक करोड़ का भुगतान किया जा चुका है।

बसंत कुमार ने बताया कि यहां पर किसानों की सुविधा के लिए कई कदम उठाए गए हैं। जैसे उन्हें एडवांस में टोकन दिया जा रहा है। वहीं, दूर दराज से आए किसानों के लिए ?30 में दाल भात केंद्र की शुरुआत की गई है। प्रबंधन के सूत्रों के मुताबिक, बीती रात कुछ समस्या होने के कारण कारखाने में ब्रेकडाउन की स्थिति निर्मित हुई थी, जिसे प्रबंध संचालक बसंत कुमार ने सामान्य विषय बताया। उन्होंने कहा कि हम गन्ने के रकबे को बढ़ाने के लिए भी कार्य कर रहे हैं।

मां दंतेश्वरी सहकारी शक्कर कारखाने में विश्राम करने की बात आई तो कुछ किसानों ने बताया कि वहां पर गंदगी रहती है। इस कारण उन्हें ट्रैक्टर की ट्राली के नीचे ही रात गुजारना पड़ता है। किसान पांचुराम ने बताया कि टोकन तो मिल रहा है, लेकिन खाली होने में काफी समय लग रहा है। जिसकी वजह से गन्ने का वजन भी काम हो जाता है।

किसान पांचुराम ने कहा तीन दिन से यहां पर ट्रैक्टर का लाइन लगाकर अपने बारी आने का इंतजार कर रहे हैं। काफी तकलीफों का सामना करना पड़ता है।

बालोद जिले में सहकारी शक्कर कारखाना की क्षमता के अनुरूप भी गन्ने का उत्पादन बालोद जिले के किसान नहीं कर पा रहे हैं। हर बार गन्ने का रकबा बढ़ाने के दावे तो किए जाते हैं। लेकिन यहां गन्ने का रकबा पिछले कुछ वर्षों में और घटा है। जिसकी मुख्य वजह यह है कि धान की कीमतों में सरकार ने इजाफा किया है। ऐसे में किसान मुनाफे के लिए धान की खेती कर रहे हैं।

सनी लियोनी के नाम फर्जी फार्म भरने वाला गिरफ्तार

महतारी वंदन योजना में किया था फर्जीवाड़ा

जगदलपुर। महतारी वंदन योजना के पोर्टल में सनी लियोनी का नाम अपलोड करने वाला गिरफ्तार हो चुका है। आरोपी ने धोखे से फिल्म एक्ट्रेस का नाम अपलोड कर दिया। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी सायबर कैफे चलाता है। सीएसपी आकाश श्रीश्रीमाल के मुताबिक आरोपी का नाम नरेंद्र सेठिया है। पुलिस और सायबर एक्सपर्ट की टीम ने जब पोर्टल की जांच की तो आरोपी का नाम सामने आया। पुख्ता सबूत मिलने के बाद आरोपी को पकड़ा गया।

पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि फार्म भरने और रजिस्ट्रेशन का काम सायबर कैफे से किया गया है। जांच में पता चला कि बस्तर के सायबर कैफे का इस्तेमाल इसके लिए किया गया। पुलिस जांच के लिए संदिग्ध कैफे पर पहुंची। मौके पर आरोपी नरेंद्र सेठिया पुलिस को मिल गया। पुलिस ने हिरासत में लेकर जब उससे पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। उसने बताया कि पूरा डॉक्यूमेंट उसी ने अपलोड किया है।

सीएसपी आकाश श्रीश्रीमाल ने कहा डॉक्यूमेंट अपलोड करने वाला आरोपी बस्तर में सायबर कैफे चलाता है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसने ही सारे फार्म और रजिस्ट्रेशन भरने का काम किया है। पकड़े गए दोनों लोगों को रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा करते हुए बताया कि पूर्व में गिरफ्तार किए गए वीरेंद्र कुमार जोशी का इसमें कोई रोल नहीं है। चूकि वीरेंद्र कुमार जोशी का बैंक खाता नंबर फार्म में भरा गया था लिहाजा उसी खाते में पैसे आ रहे थे। इसी शक में पुलिस ने पहले वीरेंद्र कुमार जोशी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों युवकों को रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चार्जशीट फाइल की जाएगी।

चिल्फी घाटी फिर लगा जाम, 20 किमी तक गाड़ियों की कतार

कवर्धा। चिल्फी घाटी में फिर से जाम लगा है। ट्रक में आई खराबी के कारण यह जाम लगा है। रायपुर जबलपुर नेशनल हाईवे 30 में आवागमन बाधित होने से 20 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

चिल्फी घाटी में तीन अलग अलग जगहों पर ट्रक खराब होने के कारण बड़े और भारी वाहन निकलने में दिक्कत हो रही है। यही वजह है कि पुलिस ने सभी बड़ी वाहनों को रोक दिया है ताकि छोटी छोटी कार निकल सके। जाम गुरुवार रात 10 बजे से लगा हुआ है। 12 घंटे से ज्यादा समय होने के बाद भी जाम नहीं खुल पाया है। पुलिस ने सभी बड़ी वाहनों को घाट से पहले ही रोक दिया है, जिसके चलते वन-वे खुला है। छोटी गाड़ियां और यात्री बस को निकाला जा रहा है। इस जाम के चलते दोनों ओर लगभग 20 किलोमीटर तक बड़ी गाड़ियों की लंबी कतार लग गई है?। गुरुवार रात में तीन अलग अलग जगहों पर ट्रक खराब होने के कारण जाम लग गया। पुलिस की टीम ने पूरी रात ड्यूटी देकर छोटे वाहनों के लिए रास्ता बनाया। भारी वाहनों को रास्ते से हटाने का प्रयास कर रहे हैं, जल्द ही जाम खत्म हो जाएगा-उमाशंकर राठौर, चिल्फी थाना प्रभारी

चिल्फी घाटी में आए दिन जाम की स्थिति बन रही है, जिससे लोग परेशान होते हैं। रायपुर से जबलपुर जाने के लिए नेशनल हाईवे 30 के अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं है। यही एक मार्ग है जहां प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं, जिसके कारण लोगों को इन परेशानियों से जूझना पड़ता है। घाट में पुरानी वाहनों के ओवरलोड होने के कारण घाट चढ़ने के दौरान वाहन में खराबी आ जाती है। सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण अन्य बड़ा वाहन गुजर नहीं पाता। घाट के एक तरफ ऊंचा पहाड़ और दूसरी ओर सैकड़ों फीट गहरी खाई के कारण यहां रिस्क लेने की कोई गुंजाइश नहीं होती। यही कारण यहां जाम की स्थिति बन जाती है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

धान का सत्यापन करने किसानों से हजारों रुपए ले रहा पटवारी

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का काम जोरों पर चल रहा है। इस दौरान गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले में भोले भाले किसानों से धान का सत्यापन करने के नाम पर पटवारी पैसा वसूल रहा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यह मामला ग्राम ठेंगाडांड़, हल्का खोडरी तहसील पेण्ड्रारोड का है, जहां पटवारी मुकेश्वर कुमार साहू खुलेआम किसानों से धान सत्यापन के नाम पर हजारों रुपए पैसा वसूली कर रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, अवैध पैसा वसूली की बात यही नहीं रुकती, पटवारी द्वारा आय, जाति, निवास और फौती नामांतरण के नाम पर भी वसूली किया जा रहा है। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता कि स्थानीय निवासी किसान कुंवरसिंह राठौर पटवारी को 5000 रुपए देते हुए दिखाई दे रहा है, जिसे पटवारी बड़ी जल्दी से अपने जेब में रख लेता है। पटवारी के इस हरकतों को लेकर किसानों ने कलेक्टर गौरेला पेंड्रा मरवाही के पास भी शिकायत दर्ज कराई है। किसानों ने पटवारी को हटाने और बर्खास्त करने की मांग की है।

राज्य महिला आयोग की सदस्य बालाटिकरा विद्यालय पहुंची

सुकमा। छिंदगढ़ ब्लॉक के बालाटिकरा आवासीय विद्यालय की छात्रा की मौत के बाद आज शुक्रवार को राज्य महिला आयोग की सदस्य दीपिका शोरी निरीक्षण पर पहुंचीं। उन्होंने छात्राओं व आवासीय विद्यालय के कर्मचारियों से छात्राओं को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। वहीं छात्राओं से व्यक्तिगत रूप से भी सुविधाओं के बारे में पूछा। छात्राओं व कर्मचारियों ने बताया कि अचानक तबीयत बिगडऩे पर उसे अस्पताल ले जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते में उसकी मौत हो गई। बीएमओ डॉ. रसपाल सुमन से पूछा तो उन्होंने अस्पताल में भर्ती करने से पहले ही मौत होने की बात कही। राज्य महिला आयोग की सदस्य दीपिका शोरी ने कहा कि आश्रम-छात्रावास, आवासीय विद्यालय में छात्राओं के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले में जो भी जिम्मेदार होंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं उन्होंने कहा कि अगले महीने वे जिले के आवासीय विद्यालय, आश्रम शालाओं का दौरा कर छात्राओं से स्वयं व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी लेंगी।

सातधार में डूबे नाबालिग का दूसरे दिन भी नहीं मिला सुराग

दंतेवाड़ा। बारसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत इंद्रावती नदी के सातधार में गुरूवार को डूबे नाबालिग यश कुमार साहू 13 वर्ष निवासी धमतरी का दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। शुक्रवार को जगदलपुर से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है, जो दंतेवाड़ा की टीम के साथ मिलकर खोजबीन में जुटी हुई है। एएसपी आरके. बर्मन ने बताया कि तलाश जारी है, गोताखोर लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नाबालिग यश कुमार साहू गुरुवार 26 दिसंबर की सुबह दोस्तों के साथ करीब 7 बजे धमतरी से बारसूर पहुंचा था। वहीं सातधार जाने वाले मार्ग पर लगे नाका को इन्होंने स्वयं खोलकर जल प्रपात की तरफ चले गए थे। जहां सभी नहाने के लिए पानी मे उतरे, जिसके बाद नाबालिग एका-एक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। जिसके बाद उसके साथ आए लोग पास में ही स्थित सीआरपीएफ 195 बटालियन के कैंप पहुंचकर डूबने की जानकारी दी गई। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

पांच माह पहले हुए हत्या के मामले में चरणदास गिरफ्तार

कोरबा। पांच माह पहले ईगो हार्ट होने पर सुलभ शौचालय के केयरटेकर प्रमोद कुमार सिंह की हत्या के मामले में कोरबा पुलिस ने आरोपी चरणदास महंत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रमोद कुमार सिंह (49), निवासी ग्राम बरियारपुर, वैशाली (बिहार), कोरबा के टीपी नगर स्थित सुलभ शौचालय में केयरटेकर के रूप में कार्यरत था और वहीं रहते था। 26 जुलाई 2024 की रात उनकी गला घोंटकर और मारपीट कर हत्या कर दी गई थी। घटना की रिपोर्ट प्रमोद के रिश्तेदार संजय कुमार सिंह ने पुलिस चौकी सीएसईबी में दर्ज कराई। पुलिस ने मर्ग और हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर चौकी प्रभारी जितेंद्र सिंह यादव और उनकी टीम ने आरोपी चरणदास महंत को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पूछताछ में हत्या करना स्वीकार कर लिया और उसके निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त गमछा भी बरामद किया गया। जहां न्यायालय में पेश करने के बाद उएसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

80 में बिकने वाले गोभी को 4 रू. में भी नहीं पूछ रहा कोई

बलरामपुर रामानुजगंज। बलरामपुर रामानुजगंज में बीते दो-तीन दिनों में गोभी की बंपर आवक के कारण जो गोभी करीब दो माह पूर्व 80 रुपए किलो बिका था वह आज थोक बाजार में चार रुपए किलो में भी खरीदार नहीं मिल रहे थे। गोभी का इतना कम रेट हो जाने के कारण गोभी उत्पादक किसानों के चेहरे पर मायूसी देखी गई। बीते 45 दिनों से लगातार गोभी के रेट में गिरावट देखी जा रही है गोभी का रेट जहां 80 रू. किलो था तब मुश्किल से बाजार में 20 से 30 भूरा गोभी ही आ रहा था आते ही गोभी बिक जा रहा था खरीदार की कमी नहीं थी वही धीरे-धीरे गोभी का रेट कम होते चला गया वहीं आवक बढ़ाते गया तीन-चार दिनों से ऐसी स्थिति है कि प्रतिदिन चार पिकअप से अधिक गोभी आ रहा है परंतु खरीदार नहीं है जिस कारण से गोभी का रेट ?4 किलो हो गया है आज इसकी ऐसी हो गई थी कि ?4 किलो में भी खरीदने के लिए कोई तैयार जल्दी नहीं हो रहा था। गोभी के रेट में इतनी गिरावट आने से किसानों के चेहरे पर आज मायूसी देखी गई।

हत्या या दुर्घटना? युवक का शव मिलने से सनसनी

■ सिर पर लगी थी चोट, पास में पड़ी मिली उसकी बाइक

कोरबा। मोबाइल दुकान बंद कर निकले युवक का शुक्रवार सुबह शव मिला है। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे। उसका शव लाश सिल्ली मोड़, पाली के पास मिला। पाली क्षेत्र के निरधी गांव में रहने वाला 30 वर्षीय विनय कश्यप का रतनपुर हाई स्कूल चौक में ए वी मोबाइल नाम से दुकान है। वह अपने पार्टनर के साथ यह दुकान संचालित करता था और रोज मोटरसाइकिल से आना जाना करता था।

हर दिन की तरह गुरुवार रात भी करीब 9:30 बजे दुकान बंद करने के बाद विनय अपने गांव निरधी के लिए निकला, लेकिन रात 10 बजे तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो उसके पिता चंद्रप्रकाश कश्यप ने उसे फोन लगाया तो उसका फोन स्विच ऑफ बताने लगा। इसके बाद उन्होंने उसके दोस्तों और पार्टनर को फोन लगाकर उसके बारे में पूछा। सभी ने विनय कश्यप को फोन लगाया तो उसका फोन स्विच ऑफ बताने लगा। इन लोगों ने रात भर उसकी तलाश की लेकिन विनय का कुछ पता नहीं चला।

शुक्रवार सुबह लोगों ने सिल्ली मोड़ के पास उसका शव देखा, उसके सिर पर चोट लगी हुई थी। पास ही में उसका मोबाइल क्षतिग्रस्त अवस्था में पाया गया। विनय कश्यप के शव के पास उसकी बाइक पड़ी हुई थी। उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि 2 साल पहले उसका गांव में ही किसी के साथ झगड़ा हुआ था। वर्तमान में ऐसा कोई विवाद नहीं था। विनय कश्यप की मौत कैसे हुई, क्या यह दुर्घटना है या फिर उसकी हत्या की गई है, पुलिस इसका पता लगाने का प्रयास कर रही है।

डराने वाले हैं ये आंकड़े, 20 माह और 806 हादसे

जगदलपुर। जगदलपुर में रफ्तार में वाहनों को दौड़ाना, शराब का नशा, लापरवाही के चलते 20 माह में अब तक 389 लोगों की जान चली गई है। ये आंकड़े बेहद डराने वाले हैं। शासन-प्रशासन के द्वारा लोगों को जागरूक करने के साथ ही हाईवे पर शराब पीकर वाहन ना चलाने की बात कही जाती है, जबकि चारपहिया वाहनों में तेज रफ्तार से गाना बजाने के साथ ही कई बार बिना इंडिकेटर दिखाए भी वाहनों को मोड़ दिया जाता है, जिसके कारण घटनाएं बढ़ रही हैं।

बात करे अगर वर्ष 2023 में जनवरी से लेकर अक्तूबर तक की इन 10 माह में 400 सड़क हादसे हुए हैं। जिनमें 205 लोगों ने अपनी जान गवाई है, वहीं 270 लोग घायल भी हुए। वहीं बात करे अगर वर्ष 2024 की तो इन 10 माह में 406 दुर्घटना हुई है, जिसमें 184 की मौत व 319 घायल हुए हैं।

अब तक की बड़ी घटना

चांदामेटा से कोलेग साप्ताहिक बाजार जाने के दौरान एक वाहन पलट जाने से छह लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 45 लोग घायल हो गए थे। और दो लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था।

दो युवको ने तोड़ा दम- गुरुवार की सुबह एक कार चालक ने मिचनार से लौट रहे एक स्कूटी सवार को ठोकर मार दी, इस घटना में दोनों युवक की मौत हो गई थी।

रफ्तार बन रही बड़ी वजह- देखा जाए तो हाइवे में ज्यादातर लोग अपनी रफ्तार पर लगाम नहीं लगाते हैं। जिनके कारण ये हादसे होते हैं। बात करे अगर तो कुछ वर्ष पहले एक तेज रफ्तार यात्री बस ने अपनी साइड की जगह गलत साइड ले जाकर कार में टक्कर मारी थी। जिसमें दो दोस्तों की आसना के आगे मौत हो गई थी।

करपावंड में हादसा- बीते माह की रात को ओड़िसा में रहने वाले मजदूरों को लेकर ओड़िसा की पिकअप वाहन में मजदूरों को लेकर करपावंड काम कराने के लिए लाया गया था। जहां हुए सड़क हादसे में 3 मजदूरों की मौत हो गई थी, जबकि 15 से अधिक घायल हुए।

जब खराब ट्रक से टकराई यात्री बस- बीजापुर से निकली यात्री बस केशकाल के पास खराब खड़ी बस से जा टकराई। इस हादसे में सात यात्री घायल हुए। घटना के बाद केशकाल पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

दो ट्रकों में हुई भिड़ंत- कोंडागांव के सिंघनपुर में दो ट्रकों में सोमवार को भिड़ंत हुई। यह घटना इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक चालक फंस गए थे। जिन्हें घंटो की मशक्कत के बाद निकाला गया। इस हादसे में जहां एक चालक की मौत हो गई, वहीं, दूसरा घायल हो गया था।

शहर के आमागुड़ा चौक की बात करें तो बस्तर की ओर से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को अपने चपेट में ले लिया। इस हादसे में पति पत्नी ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि 8 वर्ष के त्रिनाथ ने हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। वहीं, घटना के 2 दिन के बाद एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक साइकिल सवार को अपने चपेट में ले लिया था, जहां उसकी मौत हो गई थी।

तीन लोगों की हुई मौत- बीते माह के गुरुवार किरंदुल से मरीज लेकर आ रही एक एम्बुलेंस के चालक ने सड़क किनारे खड़ी खराब ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई थी।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व पीएम के निधन से दुखी मुख्यमंत्री साय ने रद्द किए अपने सभी कार्यक्रम

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से दुखी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार के निर्धारित अपने सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया है। साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री, प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह जी अर्थशास्त्र के उन दिग्गजों में से एक थे, जो देश के वित्त मंत्री, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर और योजना आयोग के प्रमुख जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों और शुभचिंतकों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर छग कांग्रेस ने सभी कार्यक्रम किए रद्द

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार उनके सम्मान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह सहित सभी आधिकारिक कार्यक्रम अगले सात दिनों के लिए रद्द कर दिया गया हैं। इसमें सभी आंदोलनात्मक और आउटरीच कार्यक्रम भी शामिल हैं। पार्टी के कार्यक्रम 3 जनवरी 2025 से पुन: प्रारंभ होंगे। उक्त आदेश छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी मंत्री मलकीत सिंह गैदू ने जारी किए।

अन्य जगहों की होगी पुलिस भर्ती प्रक्रिया की जांच : गृह मंत्री विजय शर्मा

रायपुर। राजनांदगांव पुलिस भर्ती को रद्द करने के बाद गृह मंत्री विजय शर्मा ने अब अन्य जगहों की पुलिस भर्ती प्रक्रिया की जांच करने की बात कही है। इसके साथ ही मामले में आक्रामक कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को अपनी भर्ती प्रक्रिया की ओर ध्यान देना चाहिए। पीएससी, शराब घोटाला मामले में अंदर हुए लोगों पर उन्हें ध्यान देना चाहिए। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने पुलिस भर्ती प्रक्रिया को लेकर बताया कि पूरे शुद्धिकरण के बाद एक-एक चयन अभ्यर्थी की क्षमता के आधार पर होगा। सभी जगहों पर इस बात को चेक किया जाएगा। कहीं कुछ पाया गया, तब वहां भी जांच होगी। भर्ती प्रक्रिया में जो गड़बड़ी हुई है, उसमें सुधार कर रहे हैं। पंचायत चुनाव को लेकर विजय शर्मा ने कहा कि पंचायत चुनाव निर्धारित समय से पहले हो जाएंगे। चुनाव आयोग बताएगा। सरकार की तैयारी पूरी है। उम्मीद है कि चुनाव एग्जाम के पहले होना चाहिए। वहीं प्रदेश में अपराध की स्थिति पर विजय शर्मा ने कहा कि पूरा माहौल खड़ा किया गया। लोगों को धमकाने की स्थिति खराब है। प्रदेश के आंकड़ों में फर्क नहीं आया है। 2024 में नक्सलियों ने लगभग 80 हत्या की है।

सर्वसुविधायुक्त लाइब्रेरी एवं नवनिर्मित अस्पताल का लोकार्पण

रायपुर। नगर निगम के अध्यक्ष प्रमोद दुबे ने बताया कि उनके वार्ड में जनता के लिए बने हमर अस्पताल एवं सर्वसुविधायुक्त लाइब्रेरी का लोकार्पण सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, महापौर एज़ाज़ ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे, मनोज वर्मा, गिरीश दुबे के कर कमलो द्वारा किया गया।

फव्वारा चौक बैरन बाजार स्थित सर्वसुविधायुक्त लाइब्रेरी मैं छात्र-छात्राओं के लिए कम्प्यूटर एवं डिजिटल एजुकेशन के लिए पर्याप्त सुविधा प्रदान किया जाएगा, क्योंकि बैरन बाजार क्षेत्र अब एजुकेशन हब के रूप में विकसित हो चुका है इसलिए प्रतियोगी परिक्षाओं की दृष्टिकोण से उक्त लाइब्रेरी को तैयार किया गया है। इसी प्रकार हमर अस्पताल में सभी प्रकार की सुविधा एवं निःशुल्क दवाई वितरण का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर प्रोफेसर जाकिर अली, हेमलता चंद्राकर, नसीम खान, अमित नायडू, अज्जू कुरैशी, इम्तियाज हैदर, बाकर अब्बास, आसिफ खान, जीतू भारती, संजय चंद्राकर, हसन खान, रियाज अहमद, राजू यादव, विनोद यादव, लाल गवली, श्रेयांश दासानी, बबल चंद्राकर, सैफुद्दीन फहीम खान, रूबी महानंद, बिंदिया महानंद, गोपेंद्र बाग, प्रियंका गुप्ता, मुन्ना साहू, चंद्रदीप सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

अटल बिहारी यूनिवर्सिटी बिलासपुर की छात्राओं ने तीरंदाजी में जीता सिल्वर

रायपुर। कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी भुनेश्वर में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के तहत 24 से 28 दिसंबर 2024 विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें गुरुवार को छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिले के अटल बिहारी यूनिवर्सिटी के तीरंदाज खिलाड़ियों ने इंडियन वर्ग में खेलते हुए सुलोचना राज, पायल मरावी और मया बघेल ने सिल्वर मेडल हासिल कर राज्य का नाम रौशन किया। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, तीरंदाजी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका, छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के महासचिव आयुष मुरारका, उपाध्यक्ष दीपेश अरोरा, इतवारी राज, सौरभ लूनिया ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी।

बैलेट पेपर से होंगे छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव

■ 7 जनवरी के बाद आचार संहिता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी नगरीय निकाय चुनाव बैलट पेपर से करवाया जाएगा। इसकी घोषणा उप मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने की है। इसके लिए चुनाव आयोग की तरफ से तैयारी शुरू कर दी गई है।

27 दिसंबर को आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि इस बार का नगरी निकाय चुनाव बैलट पेपर से करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईवीएम के तैयार होने में समय लग सकता है। इस बात की समीक्षा की गई है। इसी को ध्यान में रखते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराने का निर्णय किया गया है। इस बाबत चुनाव आयोग अंतिम तैयारी में लगा हुआ है और जैसे ही इस पर निर्णय हो जाएगा। इस पर अंतिम जानकारी दी जाएगी।

अरुण साव ने कहा नगरीय निकाय चुनाव को लेकर के नियमों में परिवर्तन हुआ है। आरक्षण की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में हम लोगों की यह कोशिश है कि जल्द से जल्द नगरी निकाय चुनाव को पूरा करवा लिया जाए।

निकाय चुनाव में हुई देरी को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि बहुत सारे बदलाव इस बार हुए हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर ओबीसी आरक्षण की सारी पद्धति बदली है। आयोग बनाया, आयोगी की रिपोर्ट आई, अब उस आधार पर आरक्षण होना है। उसी तरह से निकायों में अध्यक्ष और महापौर का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से करने का फैसला लिया गया है।

अरुण साव ने कहा इस बीच नई निकाय बनीं हैं, नए नगर पंचायत बने हैं, कुछ नगर पंचायतों को नगर पालिका में अपग्रेड किया है। पहले साल में 1 बार

मतदाता सूची बनता था। अब हर 3 माह में मतदाता सूची बनाने फैसला लिया, ताकि नए मतदाताओं को मौका मिले। इन सब के तैयारियों में थोड़ा समय की जरूरत थी।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा किसरकार जल्द से जल्द नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जैसे ही आरक्षण की प्रक्रिया समाप्त होगी। उसकी सूचना चुनाव आयोग को भेजी जाएगी। फिर चुनाव आयोग निकाय चुनाव के कार्यक्रम घोषित करेगी। नगरीय निकाय के अध्यक्ष और महापौर के लिए आरक्षण की प्रक्रिया 7 तारीख निर्धारित की है।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने बताया कि सरकार की मंशा है कि राज्य में होने वाले बोर्ड एग्जाम से पहले नगरीय निकाय चुनाव को पूरा कर लिया जाए। ताकि निकाय चुनाव की वजह से किसी तरह से कोई परीक्षा प्रभावित न हो।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आगे कहा कि बैलेट पेपर से निकाय चुनाव को लेकर के निर्णय लिया गया है। इसके पीछे की वजह ईवीएम मशीन का तैयार नहीं होना है। उन्होंने कहा कि इस पर अंतिम निर्णय के साथ आयोग अपनी तैयारी में लग गया है। 7 जनवरी के बाद कभी भी आचार संहिता लग सकती है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव : आरक्षण के लिए जारी हुई नई समय सारणी

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत अध्यक्ष से लेकर पंच पद के लिए अभी आरक्षण तय नहीं हुआ है। इस कवायद के लिए अब नई समय सारणी जारी की गई है। अब यह प्रक्रिया 3 जनवरी से शुरू होकर 11 जनवरी को संपन्न होगी।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच एवं पंच पद के प्रवर्गवार आरक्षण की कार्यवाही 3 जनवरी से शुरू होगी। 8 जनवरी को अधिसूचना का प्रकाशन किया जाएगा। 10 जनवरी को आरक्षण की जानकारी दी जाएगी।

इसी तरह जिला पंचायत अध्यक्ष पद के आरक्षण की सूचना 3 जनवरी को प्रकाशित होगी, और 11 जनवरी को आरक्षण की कार्यवाही संपन्न करते हुए जानकारी दी जाएगी। पहले यह प्रक्रिया 23 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर को संपन्न होनी थी।

मंडल अध्यक्ष के चुनाव पर विवाद के बीच रायपुर पहुंचे नितिन नबीन

कहा- पार्टी सभी को अपनी अपेक्षाएं व्यक्त करने का देती है मौका

रायपुर। भाजपा संगठन की आज महत्वपूर्ण बैठक होगी। बीजेपी स्वच्छ रूप से सभी को मौका देती है। बीजेपी का यह रेगुलर प्रोसेस है, इसी प्रक्रिया में सभी मंडल अध्यक्ष चुने गए हैं। अब जिला अध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी होगी। केवल बीजेपी पार्टी में बूथ से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का चुनाव होता है। यह बात भाजपा संगठन की बैठक में शामिल होने पहुंचे प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने मीडिया से चर्चा में कही।

छत्तीसगढ़ में भाजपा मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद मचे बवाल को लेकर पार्टी एक्शन मोड में नजर आ रही है। दो मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति रद्द होने के बाद आज भाजपा कार्यालय में बड़ी बैठक होने जा रही है। इसमें शामिल होने के लिए आज रायपुर पहुंचे प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने रायपुर विमानतल पर मीडिया से चर्चा की।

मंडल अध्यक्ष के चुनाव में वाद-विवाद की स्थिति को लेकर नितिन नबीन ने कहा कि कई पार्टियों में एक ही परिवार के लोग नेतृत्व करते नजर आते हैं, लेकिन भाजपा सभी को अपनी अपेक्षाएं व्यक्त करने का मौका देती है। भाजपा अपने संगठन को लोकतांत्रिक तरीके से खड़ा करती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि बीजेपी के बूथ और मंडल स्तर के कार्यकर्ता भी अध्यक्ष बनने के लिए तत्पर है।

वहीं साय मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर नितिन नबीन ने कहा कि जल्द इंतजार खत्म होगा। हमारे यहां लोग हैं और सभी की अपेक्षाएं हैं। यह

भाजपा की स्वस्थ परंपरा है कि लोगों को लगता है उन्हें मौका मिलना चाहिए। बहुत जल्द आप लोगों का इंतजार खत्म होगा।

भाजपा संगठन चुनाव : दिल्ली भेजने के लिए 3 नामों का पैनल हुआ तैयार

छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन चुनाव की समीक्षा बैठक पूरी हो चुकी है। केंद्रीय पर्यवेक्षक सांसद गजेंद्र सिंह पटेल के मौजूदगी में बैठक पूरी हुई। सभी 33 जिलों से आए नामों में से 3 नामों का पैनल तैयार कर दिल्ली भेजा जाएगा। जिला अध्यक्षों की नियुक्ति पर जातिगत समीकरण से महिलाओं की भी हिस्सेदारी रहने वाली है।

समीक्षा बैठक को लेकर केंद्रीय पर्यवेक्षक सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि बीजेपी के संघठन चुनाव के लिए बैठक बुलाई गई है। बूथ अध्यक्षों के अनुरूप मंडल अध्यक्षों का चुनाव किया है। मंडल के निर्वाचन के साथ हमने जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली है। जिसमें जिला निर्वाचन अधिकारी समेत संघठन के महत्वपूर्ण चेहरे शामिल थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और यहां कार्यकर्ताओं के अनुरूप संघठन को गढ़ा जाता है। छत्तीसगढ़ के जिलों के निर्वाचन अधिकारी और पर्यवेक्षकों के रायशुमारी से निश्चित तौर पर कार्यकर्ताओं के बीच से जिला अध्यक्षों को चुना जाएगा।

जातिगत समीकरण, कार्यकर्ताओं के आधार पर और पिछले कार्यों के आधार पर नामों का पैनल तैयार किया जा रहा है। जल्द ही जिला अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी जाएगी।

राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता कार्यक्रम में बदलाव

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन के बाद अब रायपुर में आयोजित होने वाली 24वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीडा प्रतियोगिता-2024 के कार्यक्रम में भी बदलाव हुए हैं। वनवासी विकास समिति द्वारा आयोजित की जा रही इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के विभिन्न कार्यक्रम रद्द किए गए हैं। डॉ मनमोहन सिंह के निधन के बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है, जिसके बाद राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता की स्वागत समिति ने भी तय किया है कि प्रतियोगिता के दौरान होने वाली विशाल खेल ज्योति यात्रा, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मातृहस्त भोजन जैसे सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है।

इस कार्यक्रम के उद्घाटन को भी सादगीपूर्ण एवं औपचारिक तरीके से करने का निर्णय लिया गया है। समय में बदलाव करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद

अब दोपहर 3 बजे प्रतियोगिता का उद्घाटन किया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री के निधन के चलते प्रतियोगिता के समापन को भी सामान्य एवं औपचारिक रखा गया है।

गौरतलब है कि राजधानी रायपुर में 24वीं राष्ट्रीय बनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है, जिसमें 25 प्रान्तों के 800 से अधिक जनजातीय खिलाड़ी तीरंदाजी एवं फुटबॉल के खेल में भाग लेने आये हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्था भव्य एवं अभूतपूर्व रखी गई थी, किंतु डॉ मनमोहन सिंह के दिवंगत होने की खबर मिलते ही कार्यक्रम की पूरी रचना में परिवर्तन कर, अब इसे सामान्य एवं औपचारिक रखने का निर्णय लिया गया है।

प्रदेश के नौ और स्वास्थ्य संस्थाओं को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण

■ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने नवंबर-दिसंबर माह में अस्पताल का किया था मूल्यांकन

रायपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने वाले राज्य के नौ स्वास्थ्य केन्द्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान किया है। इनमें जांजगीर चांपा, सूरजपुर, महासमुंद, दुर्ग व बिलासपुर के स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों पर खरे उतरने वाले स्वास्थ्य केन्द्रों को एनक्यूएएस प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र हासिल करने वाले इन सभी अस्पतालों के डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टॉफ को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री

श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरन्तर जारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि ये अस्पताल आगे भी अपनी उत्कृष्टता बरकरार रखते हुए मरीजों की सेवा करेंगे और प्रदेश के दूसरे अस्पतालों के लिए नए प्रतिमान स्थापित करेंगे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने इस साल नवम्बर में इन नौ स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों के लिए उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण किया था। टीम ने इस संबंध में मरीजों से भी फीडबैक लिया था। टीम के मूल्यांकन में सूरजपुर जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चुंगड़ी को 86.65 प्रतिशत, उप स्वास्थ्य केन्द्र पाकनी को 86.43 प्रतिशत, पालदा को 84.11 प्रतिशत व जाजावल को 80.44 प्रतिशत, जांजगीर चांपा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तिलई को 88.22 प्रतिशत व आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र सुकुलपारा को 88.57 प्रतिशत, महासमुंद जिले के उपस्वास्थ्य केन्द्र सोनासिल्ली को 87.32 प्रतिशत, दुर्ग जिले के उप स्वास्थ्य केन्द्र कोडिया को 82.50 प्रतिशत व बिलासपुर जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र लुफा को 83.83 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है। इनमें उपलब्ध सेवाएं, मरीजों के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विसेस, क्लिनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कंट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल हैं।

राज्यपाल डेका ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राजभवन में आयोजित शोक सभा में श्री डेका ने डॉ. सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का जाना केवल उनके परिवार और मित्रों के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

राज्यपाल श्री डेका ने डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यों को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे और उनके कार्यकाल में देश ने कई आर्थिक सुधार देखे। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में भी कार्य किया, जहाँ उन्होंने आर्थिक उदारीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनकी नीतियों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई।

श्री डेका ने कहा कि डॉ. सिंह की सादगी और विनम्रता ने उन्हें एक अद्वितीय नेता बनाया। उन्होंने हमेशा अपने कार्यों से यह सिद्ध किया कि नेतृत्व केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि लोगों की भलाई के लिए समर्पण है। उनकी बुद्धिमत्ता और दृष्टिकोण ने न केवल राजनीतिक क्षेत्र में बल्कि

समाज के हर वर्ग को प्रेरणा दी। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व कैसे किया जाता है। उन्होंने इस दुखद अवसर पर डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त की। शोकसभा में राज्यपाल श्री डेका ने मृत आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन धारण कर श्रद्धाजंलि दी। राज्यपाल के विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय सहित राजभवन के अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मौन श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल के सभी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम स्थगित- राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रीय शोक की अवधि में अपने सभी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम स्थगित कर दिये गये हैं।

छात्रावास-आश्रम भवन निर्माण में गुणवत्ता और समयसीमा पर दें विशेष ध्यान: प्रमुख सचिव

रायपुर। आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने इंद्रावती भवन स्थित आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग का औचक निरीक्षण किया और विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेषित मांग-पत्रों के शीघ्र निराकरण, और छात्रावास-आश्रम भवन निर्माण की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई।

गुणवत्ता और समयसीमा का पालन अनिवार्य

प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि छात्रावास और आश्रम भवनों के निर्माण में पूर्ण गुणवत्ता और समयसीमा का पालन किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के लिए विभागीय अधिकारियों और सहायक आयुक्तों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को तय समय-सीमा में

पूर्ण करना आवश्यक है और इसके लिए मासिक व पाक्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। योजनाओं की प्रगति और अपडेशन कार्य को डिजिटाइजेशन के माध्यम से और बेहतर किया जा सकता है, जिससे समय की बचत होगी।

ट्रायबल म्यूजियम का कार्य 30 जनवरी तक पूरा करने के निर्देश

बैठक में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में निर्माणाधीन ट्रायबल म्यूजियम और शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय के निर्माण कार्य की स्थिति की समीक्षा की गई। श्री बोरा ने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में इन दोनों परियोजनाओं का कार्य 30 जनवरी 2025 तक पूर्ण हो जाना चाहिए। कार्य में तेजी लाने के लिए मैनपावर और अतिरिक्त तकनीकी टीम को बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

राज्य के लिए महत्वपूर्ण परियोजना

प्रमुख सचिव ने कहा कि यह म्यूजियम केवल रायपुर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय होगा। यह जनजातीय जीवनशैली और इतिहास को देशभर में एक अलग पहचान दिलाने में मदद करेगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों, इंजीनियर्स, और क्यूरेटर को कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और समय पर इसे पूरा करने के निर्देश दिए। प्रमख सचिव श्री बोरा ने जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेषित मांग-पत्रों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़ी मांगों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना चाहिए। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव ने विभागीय योजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से लागू करने के लिए सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के उत्थान के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना विभाग का मुख्य उद्देश्य है। बैठक में मुख्यालय के सभी अधिकारी, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) कांकेर, संभाग-कांकेर

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-4197/NIT-5/2024-2025/ व ले लि — दिनांक : 24/12/2024

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 07/01/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि:- 13/01/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 14/01/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे
निविदा प्रपत्र की कीमत (रु.में) :- A= 750.00
निविदाकारों की श्रेणी :- ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से 'अ' तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ No Of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) अमानत राशि(रू.मे) बैंक साल्वेंसी (रू.में)	कार्य की अवधि
1	2	3	6
T0021	जिला जेल कांकेर में मुख्य दीवार के प्लास्टरिंग का कार्य (कार्य वर्ष 2024-25) प्रथम आमंत्रण	12.25 9200.00 183750.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
T0022	जिला जेल कांकेर में उच्च सुरक्षा वार्ड का निर्माण (कार्य वर्ष 2024-25) प्रथम आमंत्रण	6.59 5000.00 98900.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
T0023	जिला जेल कांकेर में आवासीय भवनों के लिए सर्विस मार्ग (सी.सी.मार्ग) का निर्माण (कार्य वर्ष 2024-25) प्रथम आमंत्रण	20.51 15400.00 307650.00	03 माह वर्षा ऋतु सहित
T0024	जिला जेल कांकेर के आवासीय भवनों के चारों ओर नाली निर्माण (कार्य वर्ष 2024-25) प्रथम आमंत्रण	2.81 2200.00 42150.00	01 माह वर्षा ऋतु सहित
T0025	जिला जेल कांकेर के आवासीय भवनों के छत में रूफ ग्रेडिंग कार्य (कार्य वर्ष 2024-25) प्रथम आमंत्रण	4.11 3081.00 61650.00	02 माह वर्षा ऋतु सहित
T0026	जिला जेल कांकेर के आवासीय भवनों का जीर्णोद्धार कार्य (कार्य वर्ष 2024-25) प्रथम आमंत्रण ।	11.11 8500.00 166650.00	03 माह वर्षा ऋतु सहित

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाइट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) कांकेर
संभाग-कांकेर

जी-242504879/1

चुनावी वादों के बीच फंसा वोटर

रजनीश कपूर

जैसे ही देश का दिल माने जाने वाले दिल्ली में विधानसभा चुनावों का माहौल बनता है तो सभी की नजर इस चुनाव पर लग जाती है। क्योंकि जब बात केंद्र और दिल्ली की सरकार पर काबिज होने की हो तो यह लड़ाई और भी रोचक बन जाती है। ऐसा नहीं कि दिल्ली विधानसभा का चुनाव अन्य राज्यों से अलग है। परंतु यह चुनाव अन्य राज्यों के जैसा होते हुए भी हमेशा से ही अलग ही रहता है। परंतु इस बार के चुनावों की घोषणा से पहले राजनीतिक दलों में जो खींच-तान बनी हुई है वह काफी रोचक है क्योंकि लुभावने चुनावी वादों के बीच मतदाता अपने आप को फंसा हुआ पा रहा है। दिल्ली के दंगल में सभी राजनीतिक दल अभी से उतर चुके हैं, बस देर है तो चुनावों की तारीखों के ऐलान की। परंतु तारीखों के ऐलान से पहले ही सभी राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुट गए हैं। दिल्ली की मौजूदा सरकार के नेताओं ने दिल्ली की महिलाओं को लुभाने के लिए हर महिला को प्रति माह 2100 रुपए देने का वादा किया है। इसके साथ ही 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके दिल्ली के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज देने की घोषणा भी कर दी गई है। गौरतलब है कि दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए यह वे चुनावी वादे हैं जो वे सत्ता में आने के बाद ही पूरे करेंगे। परंतु न जाने क्यों मौजूदा दिल्ली सरकार के ही 2 विभागों ने इन घोषणाओं की हवा निकाल दी है। दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने एक विज्ञापन जारी किया जिसमें यह बात स्पष्ट कर दी कि इन 2 घोषणाओं से संबंधित ऐसी कोई भी योजना वर्तमान में मौजूद नहीं है। इस विज्ञापन के जारी होते ही दिल्ली की जनता में संदेह पैदा हो गया। परंतु जैसे ही इस विज्ञापन के चर्चे होने लगे तो दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक बयान जारी कर इस बात को स्पष्ट कर दिया कि इस विज्ञापन की पूरी जांच की जाएगी और ऐसा विज्ञापन जिस भी अधिकारी ने जारी किया है उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि विज्ञापन में ऐसा क्या गलत लिखा गया, जिससे कि आम आदमी पार्टी इतना उत्तेजित हुई? वादा तो चुनावी है जो कि वर्तमान में लागू नहीं है। तो इस विज्ञापन को लेकर इतना बवाल क्यों? क्या वास्तव में ऐसे विज्ञापन को इसलिए जारी किया गया कि जनता के मन में भ्रम पैदा किया जा सके? इसी बीच, जब आम आदमी पार्टी द्वारा ऐसी घोषणाएं की जा रही थीं, तो दिल्ली में भाजपा नेता प्रवेश वर्मा के घर के बाहर महिलाओं की कतार दिखाई दी गई जिसमें वे दिल्ली की 'जरूरतमंद' महिलाओं को 'मदद' बांट रहे थे। उल्लेखनीय है कि जो-जो महिलाएं प्रवेश वर्मा के घर से निकल रहीं थीं उन्होंने बताया कि बांटे गए लिफाफे में रुपए थे और उन सभी महिलाओं को भाजपा को वोट देने के लिए कहा गया। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा तो प्रवेश वर्मा और भाजपा के कई नेताओं ने अपनी सफाई में यह कहा कि प्रवेश वर्मा जरूरतमंदों की मदद अपनी एक एन.जी.ओ. की ओर से कई सालों से कर रहे हैं और यह उसी धर्मार्थ कार्य का हिस्सा है। यदि भाजपा के इस धर्मार्थ कार्य को सच मान लिया जाए तो इसमें कोई बुराई नहीं है कि कोई संस्था जरूरतमंदों की मदद करे। परंतु यदि कोई संस्था जिसका मुखिया किसी राजनीतिक दल का हिस्सा हो और ऐन चुनावों की घोषणा से पहले ही ऐसी 'मदद' करे, जिसमें उसकी पार्टी व उसके वरिष्ठ नेताओं से संबंधित प्रचार सामग्री भी हो और बदले में अपनी पार्टी के लिए वोट मांगे तो क्या वह 'धर्मार्थ' कार्य की श्रेणी में आएगा? क्या ऐसा 'धर्मार्थ' कार्य वह संस्था पूरे साल करती है? क्या इस संस्था ने अपने प्रबंधक सदस्यों की बैठक में ऐसे किसी प्रस्ताव को मंजूरी दी थी जिसके तहत किसी एक राजनीतिक दल के समर्थन में वोट जुटाए जाएं? दिल्ली में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच हो रहे ऐसे वार पर गौर किया जाए तो इसकी पृष्ठभूमि में वह महत्वपूर्ण पहलू है जिसके तहत दिल्ली की अफसरशाही दिल्ली के उप-राज्यपाल के अधीन है न कि दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री के। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की अफसरशाही पर हक को लेकर एक लंबी कानूनी लड़ाई भी लड़ी गई थी जिसका फैसला देश की सर्वोच्च अदालत ने दिल्ली की चुनी हुई सरकार के हक में ही दिया था। परंतु चूंकि मौजूदा माहौल में केंद्र और दिल्ली की सरकार को अलग-अलग राजनीतिक दल चला रहे हैं, इसलिए 2023 में संसद में एक बिल पेश कर एक कानून बनाया गया जिसके तहत दिल्ली की अफसरशाही को उप-राज्यपाल के अधीन कर दिया गया। ऐसे में चुनावी घोषणा के बाद यदि कोई सरकारी विभाग या मंत्रालय ऐसी घोषणा के खंडन में विज्ञापन देता है तो दिल्ली की जनता को खुद ही समझ लेना चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है?

अंबेडकर भक्ति की होड़ और सियासी लाभांश की कसौटी

अजय बोकिल

संविधान निर्माण में महती भूमिका निभाने वाले भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के अपमान और खुद को ज्यादा बड़ा अंबेडकर भक्त साबित करने की सियासी होड़ में यह सवाल मौजूं है कि क्या इससे सियासी पार्टियों को सच में कोई बड़ा और दीर्घकालीन राजनीतिक लाभांश मिल रहा है या मिल सकता है? या फिर मुद्दा भी वक्त के साथ नए और तात्कालिक मुद्दों की लहर में बह जाएगा? किसी भी मुद्दे के राजनीतिक लाभांश की असली कसौटी यही है कि वह सत्ता दिला सकने में कितना कारगर है।

अंबेडकर का मुद्दा राजनीतिक शक्ति परीक्षण में कितना मददगार होगा, कहना अभी मुश्किल है। क्योंकि अंबेडकर को भगवान मानने वाले दलित समुदाय का मतदाता के रूप में व्यवहार चुनावों की प्रकृति के अनुसार अलग-अलग रहा है' वह परिस्थिति व वक्ती तकाजों के हिसाब से बदलता भी रहा है। लेकिन उम्मीद सभी को है। भाजपा भी राज्यसभा में अमित शाह के बयान के बाद अंबेडकर के अपमान के प्रति विपक्ष के हमलावर होने के खतरों को भांप रही है और हर मंच पर कांग्रेस द्वारा अंबेडकर को अपमानित करने तथा उन्हें नेहरू से महान बताकर डेमेज कंट्रोल करने की पूरी कोशिश कर रही है।

इसी के तहत सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अंबेडकर को महान बताने और कांग्रेस द्वारा उनके अपमान को लेकर पत्रकार वार्ताएं की। सबसे ज्यादा चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुंदेलखंड, जहां दलितों की संख्या काफी है, के खजुराहो में महत्वाकांक्षी केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास के दौरान किए गए खुलासे की रही। उन्होंने कहा कि देश में जलशक्ति के महत्व को सबसे पहले बाबा साहब ने ही पहचाना था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस कथन में कितना तथ्य है, इस पर बहस हो सकती है। लेकिन एक पूर्व आईएएस अधिकारी व बी. आर. अंबेडकर विवि मुजफ्फरपुर बिहार के पूर्व कुलपति ए.के.बिस्वास ने 'फारवर्ड प्रेस' में लिखे एक लेख में बताया था कि भारत की जल संसाधन नीति की नींव बाबा साहब अंबेडकर ने ही रखी थी। डॉ. अंबेडकर 20 जुलाई 1942 से लेकर 29 जून 1946 तक

तत्कालीन वाइसराय कार्यकारी परिषद् के श्रम सदस्य थे।

इस दौरान उन्होंने देश के जल संसाधनों का सभी के हित में समुचित दोहन करने हेतु एक नई जल व विद्युत नीति का खाका तैयार किया था। उनकी मान्यता थी कि इस सन्दर्भ में अमेरिका की टेनेसी वैली परियोजना भारत के लिए आदर्श हो सकती है। बाबा साहब का कहना था कि नदियों पर बहुउद्देशीय परियोजनाओं का निर्माण किया जाना चाहिए, जिससे सिंचाई और विद्युत उत्पादन दोनों हो सके। इस तरह की परियोजनाओं से अकाल और बाढ़ को रोका जा सकेगा और देश की गरीब जनता का जीवन स्तर सुधारने में मदद मिलेगी।

इसके पूर्व पीएम मोदी ने 14 अप्रैल 2016 को मुंबई में 'मेरीटाइम इन्वेस्टमेंट समिट' का उद्घाटन कहा था कि बाबासाहेब ने ही जल संसाधन, जल परिवहन और विद्युत से संबंधित दो महत्वपूर्ण संस्थाओं की नींव रखी थी। वे थीं ङ्क केंद्रीय जल, सिंचाई व जल परिवहन आयोग और सेंट्रल टेक्निकल पॉवर बोर्ड। डॉ. अंबेडकर भारत की जल संसाधन एवं नदी परिवहन नीति के निर्माता भी हैं। सन् 1944-46 की अवधि में तत्कालीन श्रम विभाग ने जिन नदी घाटी परियोजनाओं को लागू करने पर सक्रियता से विचार किया, उनमें शामिल थीं ङ्क दामोदर, सोन, महानदी (हीराकुंड), कोसी, चम्बल व दक्षिण की नदियों से संबंधित परियोजनाएं।

जाहिर है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना के जरिए पीएम ने एक नया नरेटिव सेट करने की कोशिश की है, जो भाजपा द्वारा बाबा साहब के अपमान के आरोप के संदर्भ में दूरगामी कहा जा सकता है। भाजपा यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि कांग्रेस व विपक्षी दल कुछ भी आरोप लगाते रहें, हकीकत में बाबा साहब के सपनो को भाजपा और एनडीए ही साकार कर रहे हैं। हालांकि यह तर्क दलित समुदाय की अंबेडकर के प्रति अगाध आस्था को कितना संतुष्ट करेगा, कहना मुश्किल है।

अंबेडकर इस देश के महापुरूष हैं, इसमें दो राय नहीं। इसी के साथ वह महान समाज सुधारक और अर्थ तथा कानून विद भी थे। लेकिन पिछले दिनो राज्य सभा में 'संविधान पर विशेष चर्चा' पर बोलते हुएऋकेन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह कहकर इस मुद्दे को नया और विवादित मोड़ दे दिया कि आप रात दिन अंबेडकर-अंबेडकर जपते हो। इतनी बार भगवान का नाम जपा होता तो स्वर्ग मिल जाता।

अति उत्साह में की गई इस टिप्पणी ने विपक्ष को नया सियासी हथियार दे दिया है। उसे लगता है कि इससे दलितों की भावनाएं आहत हुई हैं और इसी कारण दलित वोट भाजपा से छिटक सकता है, जो व्यापक हिंदू एकता के छाते में कुछ हद तक भाजपा के पास चला गया था। जबकि भाजपा अभी भी अपने इस आरोप पर कायम है कि कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहब का सम्मान नहीं किया, उलटे उन्हें अपमानित ही किया। भाजपा के पलटवार से बहस एक नई दिशा में जाती दिख रही है कि क्या अंबेडकर का व्यक्तित्व और कृतित्व भगवान से बड़ा है या फिर भगवान अंबेडकर से बड़े हैं।

अंबेडकर भगवान से बड़े हों या नहीं, लेकिन इतना तय है कि दलित और दमित समाज के लिए वो भगवान के बराबर तो हैं ही। क्योंकि उन्होंने सदियों से शोषित इस समाज को सामाजिक समता और मुक्ति का रास्ता दिखाया। उन्हे मानवीय और संवैधानिक अधिकार दिलवाए। बहरहाल डॉ. अंबेडकर के मान अपमान पर केन्द्रित इस सियासी लड़ाई के दो मुख्य पात्र है। कांग्रेस और भाजपा तथा उनकी सहयोगी पार्टियां। दोनो ही एक दूसरे पर अंबेडकर के प्रति आदरभाव को लेकर कथनी और करनी में अंतर के आरोप लगा रहे हैं।

भाजपा का कहना है कि कांग्रेस ने केवल एक परिवार को उठाने के लिए अंबेडकर के योगदान को बार-बार नकारा तो कांग्रेस का कहना है कि भाजपा अंबेडकर का नाम भले जपती रहे, उसकी असल मंशा देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की है, जो दलितों को कभी स्वीकार नहीं होगा। कांग्रेस ने ही दलितों को उनके अधिकार दिए हैं। कांग्रेस की इस उम्मीद का कारण पिछले लोकसभा चुनाव में दलित वोटों की कांग्रेस की तरफ वापसी है। हालांकि विधानसभा चुनाव में यही ट्रेंड नहीं दिखा।

गौरतलब, है कि 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में दलितों की आबादी 16.6 प्रतिशत यानी लगभग 20 करोड़ है। इसमें भी तीन चौथाई दलित गांवों में और एक चौथाई शहर में रहते हैं। कई राज्यों में दलितों के हाथ सत्ता की चाबी है। इसलिए भाजपा और कांग्रेस समेत सभी पार्टियां चाहती है कि दलितों का वोट उनके पक्ष में पड़े। यह बाबा साहब अंबेडकर के प्रति श्रद्धाभाव से ही संभव है। अगर लोकसभा ही बात करें तो कुल 543 सीटों में से दलितों के लिए 84 सीटें आरक्षित हैं। 2019 के लोस चुनाव में भाजपा ने 46 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीती थीं। बाकी सीटें अन्य पार्टियों को मिली थीं। लेकिन 2024 में दलित वोट बैंक भाजपा से खिसक गया। भाजपा केवल 29 सीटें जीत पाई तो कांग्रेस की दलित आरक्षित सीटों की संख्या बढ़कर 20 यानी तिगुनी हो गईं। इसका परिणाम यह हुआ कि भाजपा अपने दम पर बहुमत से काफी पीछे रह गई।

कांग्रेस को उम्मीद है कि बाबा साहब अंबेडकर के अपमान का मुद्दा दलितों को बड़े पैमाने पर उद्वेलित कर सकता है और वो आने वाले समय में कांग्रेस और एनडीए के पक्ष में मतदान करेंगे। लेकिन इसमे पेंच यह है कि आज सार्वजनिक तौर पर इस देश में कोई भी पार्टी बाबा साहब के खिलाफ नहीं है। यानी महात्मा गांधी की तरह अब अंबेडकर भी देश में राजनीतिक और सामाजिक रूप से सर्वस्वीकार्य हैं। ऐसे में अंबेडकर भक्ति सभी मुद्दों पर हावी हो और सत्ता संघर्ष में निर्णायक बने, यह जरूरी नहीं है। अगर राजनीतिक लाभांश की कसौटी पर मुद्दे खरे नहीं उतरते तो राजनीति पार्टियां उन्हें दरकिनार करने में भी संकोच नहीं करतीं।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

(10) पुराण तत्त्व प्रकाश के लेखक ने यही आक्षेप पद्मपुराण के नाम पर इस प्रकार लिखा है नारद जी व्याकुल अवस्था में सनकादिकों को मिले। उन्होंने इस मलीनता का कारण पूछा तो उन्होंने कहा कि मैं पुष्कर, प्रयाग, काशी, गोदावरी के किनारे हरिक्षेत्र, कुरुक्षेत्र, श्रीरंग, सेतुबन्ध तथा और तीर्थों में इधर उधर घूमता हुआ आया हूँ, परन्तु कहीं भी मन के सन्तोष का करने वाला कल्याण नहीं देखा। सम्पूर्ण आश्रम, तीर्थ, नदियां, कुण्ड और देवताओं के स्थान मुसलमानों से भर गये हैं और अनेक स्थानों को दुष्टों ने गिरा दिया है। जैसा कि- आश्रमा यवनैरु द्धास्तीर्थानि सरितो ह्रदा:। देवतायतनान्यत्र दुष्टैरुच्छेदितानि च।। (पद्म उत्तरखण्ड पृष्ठ 163 । 35)

इतिहासों के देखने से विदित होता है, कि वह दशा भारत में महमूद गजनवी से लेकर औरङ्गजेब के समय तक होती रही। इससे स्पष्ट प्रकट होता है कि पद्मपुराण सम्वत् 1014 और 1726 के बीच में बनाया गया ।

(11) प्रतिवादी ने यहां जो प्रसङ्ग लिखा है, सोलहों आने टीक है। वास्तव में पद्मपुराण में यह वृत्तान्त यों का यों अङ्कित है। परन्तु इस समस्त प्रसङ्ग को मुसलमानकालीन बताने के लिये जिस %यवन% शब्द की शरण ली गई है, वह सर्वथा अनुचित है। किसी भी कोश में, किसी भी ग्रन्थ में %यवन% शब्द का अर्थ मुहम्मदमतानुयायी मुसलमान नहीं लिखा है। हम मुहम्मद साहिब के जन्म से भी हजारों वर्ष पू बनने वाले आर्ष ग्रन्थों में %यवन% शब्द का प्रयोग देखते हैं और यवन कहे जाने वाले लोगों का विशेष परिचय पाते हैं, यथा- यवनाल्लिप्याम् [यवनानां लिपि: यवनानि] (कात्यायनवातिकपाठ 105) यहाँ कात्यायन ऋषि ने यवन शब्द से लिपिवाची यवनानी शब्द की सिद्धि की है।

क्रमश: ...

राष्ट्र का भविष्य गढ़ने वाले महारथी राजगोपालाचारी

ललित गर्ग

आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक महान सेनानी चक्रवर्ती राजगोपालाचारी के योगदान को याद करना एक सुखद अहसास है। इस लड़ाई में उन्होंने पर्दे के पीछे से चुपचाप कार्य किया और देश की अनूठी एवं अविस्मरणीय सेवाएं की। ऐसे महानायक ने शोर-शराबे से दूर रहकर अपना काम किया। जिन्हें प्यार से लोग राजाजी कहकर बुलाते थे। भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न के वे प्रथम हकदार बने और भारत के आखिरी गवर्नर जनरल भी वे ही थे। वे जितने कद्दावर के राजनीतिज्ञ थे उतने ही गहन आध्यात्मिक भी थे।

उन्होंने राजनीतिक समस्याओं के अतिरिक्त धार्मिक तथा सांस्कृतिक विषयों पर भी साधिकार कलम चलाई, एक नई दृष्टि एवं दिशा दी। इस दृष्टि से वे एक महान साहित्यकार, विचारक, महामनीषी एवं चिन्तक थे।

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, दार्शनिक के साथ-साथ युग को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं। उनकी उपलब्धियों के वैराट्य को देखते हुए उनको दी गयी 'राजाजी' की उपाधि उचित है। उन्हें भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष कहा जाता है। गीता, रामायण और महाभारत के अनुवाद उन्होंने अपने ढंग से किए। मौलिक कहानियों के सृजन में वे सिद्धहस्त थे। मोपासां और खलील जिब्रान की तरह उन्होंने जीवन के गहन से गहन तत्व पर बड़ी सहज-सरल भाषा में अपनी अभिव्यक्ति दी। साहित्य अकादमी ने उन्हें उनकी पुस्तक 'चक्रवर्ती थिरुमगम्' पर सम्मानित किया।

उन्होंने कुछ दिनों तक महात्मा गांधी के 'यंग इंडिया' का संपादन कर इस क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की थी। वे शराब की बिक्री और लाटरी पर प्रतिबंध लगाने के प्रबल पक्षधर थे। शराब से होने वाली आय की कमी पूरी करने के लिए उनके सुझाव पर सबसे पहले मद्रास में बिक्री कर लगाया गया था। 1946 में जब नेहरू के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी तब उन्हें उद्योग तथा वाणिज्य मंत्री बनाया गया। बाद में शिक्षा व वित्त मंत्रालय भी उन्हें दे दिया गया। स्वराज्य मिलने पर उन्हे भारत का प्रथम गवर्नर जनरल मनोनीत किया गया। इस पद से अवकाश ग्रहण करने के बाद जब सरदार पटेल का निधन हो गया तो वह गृहमंत्री बने। गांधीवादी राजनीतिज्ञ चक्रवर्ती राजगोपालाचारी को आधुनिक भारत के इतिहास का 'चाणक्य' माना जाता है। बीसवीं शताब्दी के भारत के महान सपूतों की सूची में कुछ नाम हैं जो अंगुलियों पर गिने जा सकते हैं, उनमें राजाजी का नाम प्रथम पंक्ति में है, वे राजनीति में एक रोशनी बने और वह रोशनी अनेक मोड़ों पर नैतिकता का, राष्ट्रीयता का सन्देश देती है कि राजनीति में घाल-मेल से अलग रहकर भी जीवन जीया जा सकता है। अपनी वेशभूषा से भारतीयता के दर्शन कराने वाले इस महापुरुष का 28 दिसंबर 1972 को देहांत हो गया।

अफगान अस्थिरता और भारत की चिंता

आनंद कुमार

पाकिस्तान की लंबे समय से रणनीतिक गहराई की खोज ने अफगानिस्तान में रणनीतिक लाभ देने के बजाय उसकी सुरक्षा चुनौतियां बढ़ा दी हैं। ऐतिहासिक रूप से, इस्लामाबाद ने काबुल में अपना प्रभाव कायम रखने के लिए ही अफगान तालिबान का समर्थन किया, भले ही 9/11 के हमलों के बाद उसने अफ-पाक क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ अमेरिकी नेतृत्व वाले 'वॉर ऑन टेरर' में भाग लिया था। पाकिस्तान में सक्रिय क्रेटा शूरा ने तालिबान विद्रोह को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। आतंकवाद-रोधी प्रयासों का समर्थन करने का दावा करते हुए पाकिस्तान ने दरअसल गुप्त रूप से तालिबान को मदद दी। नतीजा, 2021 में तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता में वापस लौट आये। लेकिन यह विजय पाकिस्तान के लिए महंगी साबित हुई।

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के पुनरुत्थान ने, जो अफगान तालिबान के साथ वैचारिक संबंध साझा करता है, पाकिस्तान को हिंसा की लहर में धकेल दिया है। पाकिस्तान का दावा है कि यह हिंसा अफगानिस्तान की धरती से हो रही है। अब इस्लामाबाद काबुल पर उस टीटीपी को शरण देने का आरोप लगा रहा है, जिसने पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने हमले बढ़ा दिये हैं। इन बढ़ती तनावपूर्ण स्थितियों ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों को और खराब कर दिया है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता ही खतरे में पड़ गयी है। गौर से देखें, तो इस्लामाबाद और काबुल के बीच के रिश्ते आरोप-प्रत्यारोप और सुलह के असफल प्रयासों से भरे हुए हैं।

हाल के उच्च-स्तरीय संवाद, जैसे कि पाकिस्तान के अफगानिस्तान में विशेष प्रतिनिधि मोहम्मद सादिक और अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी व गृह मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी के बीच

हुई बैठकें, तनाव कम करने का कमोबेश संकेत देती हैं। दोनों पक्षों ने सहयोग मजबूत करने और साझा चुनौतियों का कूटनीतिक समाधान तलाशने पर भी सहमति जतायी है। लेकिन ये प्रयास सीमा पर झड़पों और आरोपों के बीच हो रहे हैं।

पाकिस्तान का आरोप यह है कि टीटीपी के लड़ाके अफगान शरणस्थलों से उसके खिलाफ हमले करते हैं, जबकि काबुल इसे लगातार नकारता है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान पाकिस्तान की एकतरफा सैन्य कार्रवाइयों, जैसे सीमा पार हवाई हमलों, को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन मानता है। हाल ही में पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में किये गये हवाई हमले इन बढ़ते शत्रुतापूर्ण संबंधों के ही उदाहरण हैं। एक तरफ इसलामाबाद ने इन कार्रवाइयों को टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाने के रूप में सही ठहराया है, लेकिन अफगान अधिकारियों ने यह दावा किया है कि इन हमलों में 46 नागरिक मारे गये। यह भी कहा गया कि अधिकांश पीड़ित वजीरिस्तान क्षेत्र के शरणार्थी थे।

पाकिस्तान-अफगान सीमा पर यह तनाव नया नहीं है। इस वर्ष मार्च में भी पाकिस्तानी हवाई हमलों में कुछ अफगान नागरिक मारे गये थे। झड़प की ताजा घटनाओं ने दोनों देशों के बीच बयानबाजी और तनाव को और बढ़ा दिया है। काबुल ने पाकिस्तान पर आक्रामकता का आरोप लगाया है, जबकि इस्लामाबाद अफगान क्षेत्र में टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। वर्ष 2021 में अफगान तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता में लौटने से टीटीपी को प्रोत्साहन मिला है। इसी कारण उसने पाकिस्तान पर अपने हमले तेज कर दिये हैं, जिनमें हाल ही में 16 सैनिकों की जान लेने वाला हमला भी शामिल है। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने 2024 के शुरुआती 10 महीनों में 1,500 से अधिक हिंसक घटनाओं की रिपोर्ट की, जिनमें 924 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

अफगान तालिबान के लिए टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई करना मुश्किल है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 6,500 टीटीपी लड़ाके अफगानिस्तान में मौजूद हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अफगान तालिबान टीटीपी को आतंकवादी संगठन नहीं मानता, जिससे पाकिस्तान के लिए अपनी सीमाओं को सुरक्षित करना और अधिक जटिल हो गया है। अफगानिस्तान के प्रति पाकिस्तान के दृष्टिकोण की आलोचना उसकी अस्थिरता और प्रतिक्रियात्मक उपायों के लिए की जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान द्वारा किये जाने वाले सीमा पार हवाई हमले काबुल को और अधिक अलग-थलग कर सकते हैं। ये हमले भले ही टीटीपी के ठिकानों को समाप्त करने के उद्देश्य से किये गये हों, पर इनसे अफगान जनता और नेतृत्व के बीच पाकिस्तान विरोधी भावना भड़क रही है।

इससे दक्षिण एशिया की स्थिरता को गंभीर खतरा हैं। पाकिस्तान तालिबान के प्रति अपने ऐतिहासिक समर्थन के परिणामों से जूझ रहा है, वहीं अफगानिस्तान बाहरी हस्तक्षेप का विरोध करते हुए अपनी संप्रभुता की रक्षा कर रहा है। अफ-पाक क्षेत्र में बढ़ती हिंसा भारत के लिए गहन चिंता का विषय है। पिछले एक वर्ष में कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गयी है। रिपोर्टों के अनुसार, आतंकवादियों ने अमेरिकी सेना द्वारा छोड़े गये आधुनिक हथियारों का उपयोग किया है। हालांकि भारतीय सुरक्षा बलों ने स्थिति को सफलतापूर्वक संभाला है, पर आधुनिक हथियारों की मौजूदगी ने आतंकवादी समूहों का मनोबल बढ़ाया है। यह हिंसक परिदृश्य भविष्य के लिए गंभीर सुरक्षा चिंताएं पैदा करता है। यह आशंका बनी हुई है कि कुछ आतंकवादी समूह पाकिस्तान के भीतर भारी नुकसान पहुंचाने के बाद अपने अभियानों को विस्तार देने का प्रयास करें।

ऐसा आशंकित परिदृश्य उभरे, इससे पहले ही भारत को अफ-पाक क्षेत्र की बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर करीब से नजर रखनी होगी। जहां तक पाकिस्तान की बात है, तो आतंकवाद को अपनी विदेश नीति के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने की दीर्घकालिक रणनीति का खामियाजा अब उसे ही भुगतना पड़ रहा है। जब तक पाकिस्तान इस नजरिये का परित्याग नहीं कर देता, वह हिंसा और अस्थिरता के जाल में फंसा रहेगा। यही नहीं, यह अस्थिरता पड़ोसी देशों में फैलने की आशंका भी है, जिससे पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। भारत को इस संकट का असर को कम करने के लिए सक्रिय रवैया अपनाना चाहिए, जिनमें खुफिया जानकारी जुटाने, सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है। इस चुनौतीपूर्ण समय में, एक सुविचारित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण ही क्षेत्रीय शांति और स्थिरता सुनिश्चित कर सकता है।

आज का इतिहास

1832 जॉन सी। कैलहौन इस्तीफा देने के लिए यूनाइटेडस्टेट्स के पहले उपाध्यक्ष बने।
1836 वर्तमान एडिलेड के पास ओल्ड गम ट्री में, रॉयल नेवी रियर-एडमिरल जॉन हिंदमर्ष ने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के ब्रिटिशप्रोविंस की स्थापना की घोषणा की।
1836 स्पेन ने मेक्सिको की स्वतंत्रता को मान्यता दी।
1846 लोवा संयुक्त राज्यसंघ का 29 वां राज्य बना।
1850 रंगून और बर्मा आग लगने से नष्ट हो गए।
1867 न्यू यॉर्क सिटी थियेटर में अंग्रेजी लेखक चार्ल्स डिकेंस ने संयुक्त राज्य अमेरिका में अपनी पहली सार्वजनिक पढ़ाई की।
1879 स्कॉटलैंडबेटन डंडी और वॉर्मिट में टाय की फ़ेथ पर फैले ताई रेल ब्रिज एक हिंसक तूफान के दौरान गिर गया जबकि उस पर से गुजर रहा था, जिससे सभी लोग मारे गए।
1908 दक्षिणी इटली के मेसिना और रेजो कालाब्रिया में आए भूकंप और सूनामी के बाद एक लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे।
1908 इटली में 7.2 तीव्रता का भूकंप और उसके बाद आई सुनामी ने 100,000 से अधिक लोगों की जान ले ली।
1912 सैन फ्रांसिस्को म्युनिसिपल रेलवे, शहर की केबल नेटवर्क प्रणाली के संचालक ने अपनी पहली लाइन खोली।
1935 राजनेता पावेल पोस्टिशेव ने नए साल के पेड़ की परंपरा को सोवियत संघ को पुनर्जीवित किया जब प्रावदा ने उनके पत्र को स्कूलों, बच्चों के घरों, युवा पायनियर पैलेस, बच्चों के क्लबों, बच्चों के थिएटरों और सिनेमा थिएटरों में स्थापित करने के लिए कहा।
1942 रॉबर्ट सुलिवन पहले पायलट बने, जिन्होंने अटलांटिक महासागर के ऊपर एक सौ बार उड़ानें भरी।
1943 द्वितीय विश्व युद्ध- आठ दिन की क्रूर घर-गृहस्थी के बाद, 1 कनाडाई इन्फैंट्री डिवीजन ने इतालवी टाउनहॉफ़ एंटोना पर कब्जा कर लिया।
1948 एक मुस्लिम ब्रदरहुड के सदस्य ने मिस्र के प्रधानमंत्री महमूद फहीमी नकराशी की हत्या की।
1950 द पीक डिस्ट्रिक्ट ब्रिटेन का पहला राष्ट्रीय पार्क बना।
1965 इतालवी विदेश मंत्री अमीनोर फानफानी ने इस्तीफा दिया।
1969 यंग लॉर्ड्स ने ईस्ट हार्लेम में पहली स्पैनिश मेथोडिस्ट चर्च का अधिग्रहण किया।
1974 पाकिस्तान में 6.3 रिक्टर स्केल का भूकंप आया, जिसमें 5200 लोग मारे गए।

चीन के साथ संबंधों में सुधार

अभिनय आकाश

अभी हाल ही में हमने देखा कि हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार चीन गए। पीएम मोदी और शी जिनपिंग की रूस में मीटिंग हुई। यानी देशों के संबंधों में सुधार हो रहा है। वर्ष 2024 भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि यह चार वर्षों से अधिक समय तक चले गतिरोध का समाधान लेकर आया। गौरतलब है कि भारत और चीन की सरकारों के बीच हाल फिलहाल में कई उच्च स्तरीय मुलाकातें हुई हैं। इसके जरिए दोनों देशों के रिश्ते में साल 2020 से आए तनाव को कम करने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। लेकिन इन सब के बीच अमेरिका ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट में अमेरिका ने चीन की मिलिट्री को एक्सपोज किया है। इसके साथ ही बताया है कि दुनिया के किन किन देशों को चीन के सैन्य विस्तार से बड़ा खतरा है। पेंटागन ने चीन को एक्सपोज करते हुए कहा है कि एक लाख 20 हजार के करीब सैनिक अभी भी भारतीय सीमा के निकट तैनात हैं। जयशंकर ने नवंबर में ब्राजील में जी-20 बैठक के दौरान चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की, जहां वे इस बात पर सहमत हुए कि विशेष प्रतिनिधि (एसआर) और विदेश सचिव स्तर की प्रणाली के तहत बैठक जल्द ही बुलाई जाएगी। भारत-चीन के बीच 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा के जटिल विवाद पर व्यापक रूप से ध्यान देने के लिए 2003 में गठित विशेष प्रतिनिधि व्यवस्था का नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और विदेश मंत्री वांग करते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी नवंबर में लाओस के वियनतियाने में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में अपने चीनी समकक्ष दोंग जुन से मुलाकात की। दिसंबर में डोभाल और वांग के बीच 23वीं एसआर वार्ता के बाद, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि व्यापक वार्ता सीमा पार सहयोग के लिए एक सकारात्मक दिशा पर केंद्रित थी, जिसमें कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीमा व्यापार को फिर से शुरू करना शामिल था, जबकि चीनी पक्ष ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच सीमाओं पर शांति बनाए रखने और संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास को बढ़ावा देने के लिए उपाय करना जारी रखने सहित छह सूत्री सहमति बनी। चीन की ओर से इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं थी कि उसने 2020 में एलएसी के पास अपने सैनिकों को क्यों भेजा, वहीं दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने से कुछ महीने पहले समझौता होने के समय ने भी लोगों के मन में जिज्ञासाएं पैदा कीं। हाल के महीनों में बीजिंग अपनी अर्थव्यवस्था में मंदी को दूर करने के संघर्ष के बाद नरम पड़ता दिखाई दिया। उसकी अर्थव्यवस्था संपत्ति संकट और बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों से ग्रस्त थी। पेंटागन की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने जून 2020 में गलवान घाटी संघर्ष के बाद से भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपनी पर्याप्त सैन्य उपस्थिति बनाए रखी है। कुछ क्षेत्रों में कुछ सैनिकों की वापसी के बावजूद, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने अपनी स्थिति या संख्या में कोई कमी नहीं की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलए ने 2020 की झड़प के बाद से अपनी स्थिति या सेना की संख्या में कोई कमी नहीं की है और एलएसी पर कई ब्रिगेड की तैनाती बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे और समर्थन सुविधाओं का निर्माण किया है। पेंटागन के वार्षिक मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि चीन ने 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी पर लगभग 120,000 सैनिकों को तैनात कर रखा है, जो लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक फैला हुआ है। सैनिकों के अलावा, पीएलए ने भारी हथियार प्रणालियां तैनात की हैं, जिनमें टैंक, हॉवित्जर, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और अन्य उन्नत सैन्य उपकरण शामिल हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि 20 से अधिक संयुक्त हथियार ब्रिगेड (सीएबी) एलएसी के पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में आगे के स्थानों पर बने हुए हैं। पेंटागन की रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि चीन की वेस्टर्न थिएटर कमांड, जो भारत के साथ सीमा की निगरानी करती है, भारत के साथ अपनी सीमा की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सीमा निर्धारण के संबंध में भारत और चीन के बीच अलग-अलग धारणाओं ने कई झड़पों, बल निर्माण और सैन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण को बढ़ावा दिया है। कुछ सीएबी बेस पर वापस आ जाने के बावजूद, भारी मात्रा में वहीं बने हुए हैं, जो दर्शाता है कि चीन इस क्षेत्र में मजबूती से कायम है।

डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति इतिहास आखिर क्यों दयालु होगा?

कमलेश पांडे

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह अब नहीं रहे, लेकिन पिछले 10 वर्षों से उनकी एक पंक्ति मुझे रह-रह कर चुभती आई है। वह यह कि वर्तमान मीडिया से ज्यादा इतिहास उनके प्रति दयालु होगा। चूंकि मैं इतिहास स्नातकोत्तर का विद्यार्थी रहा हूँ और पेशेवर मीडिया कर्मी भी हूँ, इसलिए उनकी बात और उसके मर्म को भलीभांति समझता हूं। इसलिए अमूमन सोचता रहता हूँ कि आखिर डॉ सिंह ने इतनी तल्ख टिप्पणी क्यों की?

याद दिला दें कि जनवरी 2014 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था कि मैं मानता हूं कि अभी की मीडिया की तुलना में इतिहास मेरे प्रति दयालु होगा। इसलिए यह यक्ष प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर डॉ मनमोहन सिंह के प्रति इतिहास क्यों दयालु होगा? किस स्तर तक यानी कितना होगा? और उन बातों-जज्बातों को जिन्हें खुद उन्होंने मुखरित होकर उठाया, या फिर मीडिया के उठाने के बावजूद भी उन पर चुप्पी साध ली, उसके बारे में इतिहास विद किस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे, वस्तुनिष्ठ अवलोकन करना जरूरी है।

ऐसा इसलिए कि पत्रकारिता भी तो आज का इतिहास ही है। यह हर रोज गुजश्ते इतिहास का जीता-जागता सबूत है। कभी कभी तो वह खुद को दोहराता भी है, जैसा कि इतिहास बेकन ने कहा है। इसलिए सहज ही सवाल उठता है कि क्या मीडिया नासमझ है और इतिहास वस्तुनिष्ठ, जिस पर पक्षपात के आरोप लगते आए हैं! या फिर वो यानी डॉ सिंह जज्बाती, जिन्होंने मैडम (सोनिया गांधी) का यस मैन बनकर अपनी सियासत तो चमका ली, अपने युगान्तकारी नीतियों-रणनीतियों से कुछ लोगों को लाभान्वित भी कर गए! लेकिन जब एक शासक के रूप में राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को बचाने और आतंकवादियों व उनके आकाओं के खिलाफ सख्त प्रशासनिक फैसले लेने की जरूरत आई तो किंकर्तव्यविमूढ़ बन बैठे।

वहीं, राष्ट्रीय संसाधनों पर अल्पसंख्यकों के पहले अधिकार की बात छेड़कर बहुसंख्यक समाज के आंखों की किरकिरी बन बैठे। चाहे आरक्षण हो या बेरोजगारी, इसका समुचित समाधान अपने 10 वर्षीय शासनकाल में भी नहीं दे पाए, जिसके चलते एक बार राहुल गांधी भी उनसे नाखुश प्रतीत हुए और उसके बाद ही उन्हें चुनावी हार का भी सामना करना पड़ा। बावजूद इसके जब उनसे जुड़ी विभिन्न बातों को यदि समय की कसौटी पर कसा जाए, उनके विचारों और व्यवहारों को परखा जाए तो उपर्युक्त तीनों बातें सही हैं।

इसके बावजूद, डॉ सिंह का पलड़ा इसलिए भारी है, क्योंकि वह स्वभाव से मृदु, पेशेवर तौर पर ईमानदार और राजनीतिक रूप से सदाशयी और स्पष्टवादी व्यक्ति थे। जिस दौर में उन्होंने सियासत की, जैसा उन्होंने कांग्रेस/यूपीए परिवार का विश्वास और भरोसा हासिल किया और जिन मानवीय मूल्यों को निभाया, उसमें वो सौ प्रतिशत खरे हैं। हां, इतना अवश्य है कि जब चांद भी बेदाग नहीं समझा जाता तो यह सियासी चांद भी 26/11 जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद आक्रामक कार्रवाई न करने के लिए जनमानस के कठघरे में खड़ा है!

वहीं, देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है, का राग अलापकर अपने धवल

इतिहास में भी उलाहना के कुछ पंक्तियों को सुनने के लिए हमेशा समुपस्थित रहेगा। बातें बहुत सारी हैं, जिन्हें गागर में सागर की तरह समाया नहीं जा सकता। फिर भी इतिहास के एक अध्ययनकर्ता के रूप में और मीडिया कर्मी के रूप में भी मैं कांग्रेस के इन विचारों से सहमत हूँ कि डॉ. मनमोहन सिंह को उनके गरिमामय आचरण, सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता, गहन ज्ञान और विनम्रता के लिए हमेशा याद रखेगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि वह अपने पीछे आर्थिक सुधारों, राजनीतिक स्थिरता और प्रत्येक भारतीय के जीवन के उत्थान के लिए समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं। पहले एक टेक्नोक्रेट के रूप में, उसके बाद अर्थशास्त्री के रूप में और फिर भारत के प्रधान मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सामाजिक कल्याण पर ध्यान देने के साथ आर्थिक समृद्धि और विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए याद किया जाएगा।

कहना न होगा कि अपने शांत लेकिन लचीले नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले, वह एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे जिन्होंने देखभाल, चिंता और देश के कल्याण के अलावा किसी भी चीज़ के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ कठोर निर्णय लिए। एक नेता के रूप में, डॉ. सिंह ने शायद ही कभी सुर्खियां बटोरीं हों, फिर भी उनके फैसले भारतीय समाज के हर पहलू और उससे परे गहराई से गूंजते रहे। इस तरह से राजनीतिक सहयोगियों, विरोधियों और विश्व नेताओं से उन्होंने जो विश्वास और सम्मान अर्जित किया, वह उनके गहरे प्रभाव का प्रमाण है।

देखा जाए तो प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह भारत के 13 वें प्रधानमंत्री थे। वो लोकसभा चुनाव 2009 में मिली जीत के बाद, जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने, जिन्हें पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। वहीं, उन्हें 22 जून 1991 से 16 मई 1996 तक पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्त मंत्री के रूप में किए गए आर्थिक सुधारों का श्रेय दिया जाता है।

उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां से उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की। फिर उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी-फिल भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है।

डॉ. सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वह पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे।

इसी बीच वह संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 और 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ. सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किए गए। इसके बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। मनमोहन सिंह योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे। भारत के आर्थिक इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब वह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री रहे।

1985 में राजीव गांधी के शासन काल में मनमोहन सिंह को योजना आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पद पर उन्होंने लगातार पांच वर्षों तक कार्य किया, जबकि 1990 में वह प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार बनाए गए। जब पीवी नरसिंह राव प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने मनमोहन सिंह को 1991 में अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया और वित्त मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा। इस समय वह न तो लोकसभा और न ही राज्यसभा के सदस्य थे। मगर संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सरकार के मंत्री को संसद का सदस्य होना आवश्यक होता है। इसलिए उन्हें 1991 में असम से राज्यसभा भेजा गया था।

डॉ. मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री के रूप में कार्य करते हुए साल 1991 में शुरू किए गए आर्थिक उदारीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसमें सरकारी नियंत्रण को कम करना, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) को बढ़ाना और स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स को लागू करना शामिल था, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया था।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा) : 2005 में शुरू किए गए इस अधिनियम ने प्रत्येक ग्रामीण परिवार को 100 दिन के वेतन रोजगार की गारंटी दी, जिससे लाखों लोगों की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार हुआ और ग्रामीण बुनियादी ढांचे में वृद्धि हुई।

सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI): 2005 में पारित आरटीआई ने नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकरणों से जानकारी मांगने का अधिकार दिया, जिससे शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिला।

आधार की सुविधा: आधार परियोजना निवासियों को विशिष्ट पहचान प्रदान करने, विभिन्न सेवाओं तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू की गई थी।

प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण: डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (छ्क्ख्न) सिस्टम को लागू किया, जिसने कल्याण वितरण को सुव्यवस्थित किया और कई खामियों को दूर किया।

कृषि ऋण माफी (2008): कृषि संकट को दूर करने के लिए 60,000 करोड़ रुपए के ऋण माफी के माध्यम से किसानों को राहत प्रदान की।

भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता: मनमोहन सिंह की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते पर बातचीत थी। इस समझौते के तहत, भारत को परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) से छूट मिली। इसके तहत भारत को अपने नागरिक और सैन्य परमाणु कार्यक्रमों को अलग करने की अनुमति मिली। इस डील के तहत भारत को उन देशों से यूरेनियम आयात करने की अनुमति मिली, जिनके पास यह तकनीक है।

विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) अधिनियम 2005 - पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) अधिनियम 2005 को 23 जून 2005 को भारत के राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। यह अधिनियम 10 फरवरी 2006 को विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) नियम 2006 के साथ लागू हुआ।

जीडीपी 10.08% पर पहुंच गई : राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग द्वारा गठित रियल सेक्टर सांख्यिकी समिति द्वारा तैयार जीडीपी पर आंकड़ों के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार के तहत 2006-2007 में भारत ने 10.08% की वृद्धि दर दर्ज की थी। यह 1991 में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से भारत में दर्ज की गई सबसे अधिक जीडीपी थी। उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर 2006-2007 में 10.08% थी।

इन उपलब्धियों के आधार पर निर्विवाद रूप से यह कहा जा सकता है कि राजनीति के इस विद्वान संत ने अपनी क्षमता से बढ़कर कार्य किया। हर बात में सियासी उछलकूद मनाने वालों को, यूपीए गठबंधन को 10 साल तक सफल नेतृत्व देना सबके बूते की बात नहीं थी। इसके लिए वह सदैव याद किये जाएंगे। इतना विद्वान प्रधानमंत्री न पहले हुआ था, न होगा। उनकी नीतियां इतनी कालजयी रहीं कि परवर्ती मोदी सरकार ने भी किंतु-परंतु करते हुए उन्हें अपना लिया।

इतना ही नहीं, सरदार मनमोहन सिंह ने अपने कलीग को जो सम्मान दिया, वैसा राजनीति में कम ही लोग प्रेरित करते हैं। उनकी ईमानदारी हमेशा प्रेरणा बनी रहेगी और वह हमेशा उन लोगों के बीच खड़े रहेंगे जो वास्तव में इस देश से प्यार करते हैं। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो अपने विरोधियों द्वारा अनुचित और गहरे व्यक्तिगत हमलों के बावजूद देश की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ रहे। वह अंत तक वास्तव में समतावादी, बुद्धिमान, दृढ़ इच्छाशक्ति वाले और साहसी थे।

वस्तुतः राजनीति की कठिन दुनिया में एक अद्वितीय प्रतिष्ठित और सज्जन व्यक्ति थे। मनमोहन सिंह ने असीम बुद्धिमत्ता और निष्ठा के साथ भारत का नेतृत्व किया। उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने देश को प्रेरित किया। जबकि कांग्रेस ने एक गुरु और मार्गदर्शक खो दिया है। हममें से लाखों लोग जो उनके प्रशंसक थे, उन्हें अत्यंत गर्व के साथ याद करेंगे। एक राजनेता, एक विद्वान, एक नेता, एक दूरदर्शी के रूप में वो भारत के सबसे गौरवान्वित पुत्रों में से एक रहे, जिनकी बहुत याद आएगी।

हां, भ्रष्टाचार न रोक पाने, सोनिया गाँधी के इशारे पर चलने वगैरह-वगैरह तमाम आरोपों और तमाम ख़ामियों के बावजूद भारत आज जो समृद्धि देख रहा है, उसका दरवाज़ा मनमोहन सिंह ने ही खोला था। आज जो फ्लाइट्स फुल चल रही हैं, होटलों में कमरे नहीं मिल रहे, मिडिल क्लास अपने बच्चों को इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ा पा रहा है, इकोनॉमी बूम कर रही है, इस सबकी बुनियाद सिंह साहब ने ही रखी थी। इसलिए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घटी कई घटनाओं ने भविष्य के लिए दिये बड़े संकेत

नीरज कुमार दुबे

साल 2024 देश दुनिया के लिए कई अहम घटनाओं से भरा रहा। राजनीतिक तौर पर देखें तो दुनिया के कई देशों में सरकारें बदल गयीं तो कई देशों में सत्तारुढ़ दलों को बड़ा झटका लगा। महंगाई, बेरोजगारी के साथ ही दुनिया तमाम तरह के द्वंद्वों से भी जूझती रही। शांति को तरजीह देने की बात करने वाले इस विश्व में जहां इस साल और संघर्ष बढ़े वहीं मौसम ने भी ऐसा तपाया कि दुनिया में यह वर्ष सबसे ज्यादा गर्म के तौर पर दर्ज हो गया। भारत में साल की शुरुआत में हिट हुआ अबकी बार 400 पार का नारा तो चुनावों में पिट गया लेकिन साल के अंत में सामने आया बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लोगों का जोरदार समर्थन मिला है। आइये एक नजर डालते हैं बीत रहे साल 2024 की बड़ी घटनाओं पर।

नरेंद्र मोदी - भारत की दृष्टि से देखें तो यह साल इसलिए अहम रहा क्योंकि पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी के रूप में कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आया। हालांकि लोकसभा चुनावों में भाजपा अपने बलबूते सत्ता हासिल करने से चूक गयी लेकिन जनता ने उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को शासन करने के लिए स्पष्ट जनादेश दिया। भाजपा का %अबकी बार 400 पार% का नारा पूरी तरह विफल रहा और उसे सरकार चलाने के लिए चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल युनाइटेड के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ेगा। विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दलों का लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन रहा। खासतौर पर कांग्रेस ने एक दशक में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 99 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की।

राहुल गांधी - साल 2024 कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए बेहद खास रहा। पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट पर चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था, वहीं इस बार वह केरल की वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से रिकॉर्डतोड़ मतों से जीते। अमेठी में गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा ने भाजपा की स्मृति ईरानी को हरा दिया। बाद में राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़कर रायबरेली की सांसदी बरकरार रखी। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता बनाये गये जोकि उनके राजनीतिक जीवन में अब तक का सबसे बड़ा पद रहा।

अरविंद केजरीवाल - इस साल लोकसभा चुनावों से ठीक पहले शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी बड़ी राजनीतिक घटना रही। उन्होंने इस्तीफे की मांग को दरकिनार करते हुए जेल से सरकार चलाने का रिकॉर्ड भी बनाया। हालांकि जमानत मिलने पर बाहर आये केजरीवाल ने अपना इस्तीफा देकर आतिशी को मुख्यमंत्री बना दिया। दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल को फिर से नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है।

ओडिशा की राजनीति - लोकसभा चुनावों के साथ हुए ओडिशा के विधानसभा चुनावों में इस बार बड़ा फेरबदल देखने को मिला। ओडिशा की सत्ता पर दो दशक से ज्यादा समय से काबिज नवीन पटनायक की बीजू जनता दल को इस बार हार का सामना करना पड़ा। खुद दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ने वाले नवीन पटनायक एक सीट पर चुनाव हार गये। ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए राज्य में सरकार बनाई।

आंध्र प्रदेश में सत्ता परिवर्तन - 2024 में आंध्र प्रदेश में भी सत्ता परिवर्तन हुआ। लोकसभा चुनावों के साथ ही कराये गये आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में टीडीपी-जन सेना और भाजपा के गठबंधन ने कमाल कर दिखाया और अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। चंद्रबाबू नायडू राज्य के मुख्यमंत्री और जन सेना के पवन कल्याण उपमुख्यमंत्री बनाये गये।

हरियाणा विधानसभा चुनाव - लोकसभा चुनावों के ठीक बाद हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले रहे। कांग्रेस के पक्ष में आंधी होने की खबरों के बीच भाजपा का लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटना राजनीतिक रूप से तो ऐतिहासिक रहा ही साथ ही इन परिणामों ने निराश महसूस कर रही भाजपा में नई जान फूंक दी। हरियाणा चुनावों के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटेंगे तो कटेंगे का जो नारा दिया उससे हिंदू समुदाय भाजपा के पक्ष में एकजुट हो गया और इसका असर महाराष्ट्र में भी दिखाई दिया।

महाराष्ट्र के सत्ता समीकरण - महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले रहे। खास बात यह रही कि लोकसभा चुनाव में जहां महाराष्ट्र में महायुति को निराशा हाथ लगी थी तो वहीं विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता ने दिल खोलकर भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति को अपना समर्थन दिया। महाराष्ट्र में लगातार तीसरी बार भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। इस बार देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री और एकनाथ शिंदे तथा अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने।

झारखंड के नतीजों ने चौंकाया - झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए साल 2024 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साबित हुआ। साल 2024 में उनकी गिरफ्तारी हुई। उन्होंने अपनी जगह चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया। जमानत मिलने के

बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद पर वापसी की तो चंपई सोरेन उनका साथ छोड़कर भाजपा में चले गये। इस साल विधानसभा चुनावों में उनके नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला और वह एक बार फिर मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद पहले चुनाव - जम्मू-कश्मीर में भी इस साल विधानसभा के चुनाव कराये गये। यह चुनाव इस मायने में ऐतिहासिक रहे कि उम्मीदवारों की तो रिकॉर्ड संख्या रही ही साथ ही मतदाताओं ने भी लोकतंत्र के उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया। एक दशक बाद हुए राज्य विधानसभा चुनावों में नेशनल कांफ्रेंस ने शानदार जीत हासिल की और उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री बने।

प्रियंका गांधी वाड्रा की नई पारी - यह साल गांधी परिवार के लिए काफी खास रहा क्योंकि जहां लोकसभा चुनावों से पहले सोनिया गांधी ने राजस्थान से राज्यसभा की सदस्यता हासिल की वहीं राहुल गांधी दो लोकसभा सीटों से चुनाव जीतने में सफल रहे। इसके अलावा, नेहरू-गांधी परिवार की एक अन्य सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा भी संसदीय राजनीति में प्रवेश करने में सफल रहीं। लोकसभा चुनाव में दो सीटों से जीत हासिल करने के बाद जब राहुल गांधी ने वायनाड को छोड़ दिया तो वहां हुए उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा ने जीत हासिल की और पहली बार लोकसभा पहुँचीं।

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा - साल 2024 की सबसे प्रमुख घटना 22 जनवरी को हुई जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। इस दौरान पूरा देश राममय हो गया था और दुनिया के हर कोने में मौजूद सनातनी जश्न मनाते दिखे। शंखनाद और मंत्रोच्चार के बीच रामलला अपने भव्य गर्भगृह में विराजमान हुए तो लगा कि त्रेता युग लौट आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष मुहूर्त में भगवान राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की।

पेपर लीक के मामले सामने आये - इस साल पेपर लीक के कई मामले सामने आये। परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी के मामले भी सामने आये जिससे छात्रों के बीच रोष देखा गया और देशव्यापी प्रदर्शन भी हुए। खासतौर पर ह्वश्वश्व (त्र) 2024 के परिणाम को लेकर काफी विवाद हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचा। इसके अलावा यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल, यूपी समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी, राजस्थान दरोगा भर्ती आदि कई परीक्षाओं के दौरान पेपर लीक की घटनाओं ने व्यापक तौर पर असंतोष पैदा किया।

जम्मू में आतंकी हमले - इस साल जून में जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में आतंकवादियों ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर हमला कर दिया, जिसमें नौ लोग मारे गए और 33 घायल हो गए। इसके अलावा भी जम्मू क्षेत्र में आतंक की कई घटनाएं देखने को मिलीं।

वायनाड में तबाही - जुलाई महीने में केरल के वायनाड में भारी बारिश के चलते कई जगहों पर भूस्खलन हुआ, जिसमें चार गांव- मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा पूरी तरह बह गए। इस घटना में सैंकड़ों लोगों की जान चली गई।

कोलकाता की हृदय विदारक घटना - इस साल कोलकाता से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त की रात को एक ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव बरामद किया गया था। डॉक्टर के शरीर पर चोट के निशान थे। जांच में पता चला कि डॉक्टर से बलात्कार के बाद हत्या की गई। इस घटना को लेकर देशभर में डॉक्टरों और चिकित्साकर्मियों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया।

हाथरस में भगदड़ - उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में जुलाई महीने में एक धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और 150 से अधिक लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद भोले बाबा नाम के व्यक्ति को न्यायिक आयोग के सामने पेश किया गया था।

संघर्षों में उलझी दुनिया - वैश्विक स्तर पर देखें तो इस साल रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-हमास युद्ध तो चलता ही रहा साथ ही इजराइल-ईरान, इजराइल-लेबनान के बीच भी जमकर संघर्ष हुआ। इजराइल ने हमास और हिज्बुल्ला के शीर्ष नेतृत्व को पूरी तरह खत्म कर दिया। सीरिया में भी बशर अल असद का शासन खत्म हुआ। इसके अलावा, महंगाई तथा अन्य मुद्दों पर नाराजगी के चलते जनता ने ब्रिटेन की ऋषि सुनक सरकार को सत्ता से हटा दिया। वहीं अमेरिका में सत्तारुढ़ दल की उम्मीदवार कमला हैरिस की बजाय जनता ने विपक्षी उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर राष्ट्रपति चुन लिया। साथ ही बोत्सवाना, पुर्तगाल, पनामा और दक्षिण कोरिया की सरकारों को भी जनता ने बदल दिया। इसके अलावा, फ्रांस, जर्मनी, जापान और भारत में सत्तारुढ़ दलों को चुनावी झटके लगे। एकमात्र रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ही दुनिया में ऐसे राजनेता रहे जोकि रिकॉर्डतोड़ मतों से जीत कर अपनी सत्ता बरकरार रखने में सफल रहे।

भारत के पड़ोसी देशों का हाल - इसके अलावा, भारत के पड़ोस में देखें तो चुनावों के बाद जहां पाकिस्तान और श्रीलंका में नई सरकार बनी वहीं नेपाल में प्रचंड की सरकार गिरने के बाद केपी शर्मा ओली नये प्रधानमंत्री बने। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को विरोध प्रदर्शनों के आगे घुटने टेकने पड़े और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना अगस्त माह से ही भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बने।

अर्थव्यवस्था का मोर्चा - भारत की अर्थव्यवस्था इस साल भी तेजी से आगे बढ़ती रही और शेयर बाजार नई ऊँचाइयों पर पहुँचे। अर्थ जगत की बड़ी घटनाओं को देखें तो मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में देश-दुनिया की तमाम चर्चित हस्तियां जुटने से यह साल भर चर्चा में रही। इसके अलावा उद्योगपति गौतम अडाणी भी साल भर चर्चा में रहे। साल की शुरुआत में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई जिसके चलते यह समूह राजनीतिक विवादों के केंद्र में रहा तो साल के अंत में अमेरिकी कोर्ट में मुकदमे के चलते अडाणी समूह एक बार फिर सुर्खियों में आया। इसके अलावा देश के रतन माने जाने वाले टाटा समूह के चेयरमैन रतन टाटा का निधन इस साल की सबसे बड़ी घटनाओं में शुमार रही।

खेल और सिनेमा जगत - साल 2024 की बड़ी खेल खबरों की बात करें तो आपको बता दें कि इस साल टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप अपने नाम किया। इस साल हुए पेरिस ओलंपिक में भारत ने 6 पदक जीते। हालांकि भारत के हाथ ओलंपिक में एक भी गोल्ड नहीं आया। पेरिस ओलंपिक में विनश फोगाट के अयोग्य साबित होने के चलते भारत के हाथ से एक मेडल फिसल भी गया था। यह साल फिल्म जगत के कई सितारों के लिए खासा अहम रहा। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत, अभिनेता अरुण गोविल और सुरेश गोपी पहली बार चुनाव जीतकर लोकसभा पहुँचे तो वहीं मनोज तिवारी, हेमा मालिनी और रवि किशन ने एक बार फिर चुनाव जीतकर संसद में कदम रखा। मलयाली अभिनेता सुरेश गोपी तो केंद्र में राज्यमंत्री भी बनाये गये हैं। बहरहाल, बीतते साल में जिस तरह कई पुरातन मंदिरों का पता चला है और लोग अपनी विरासत को सहेजने के लिए आतुर हो रहे हैं वह आने वाले साल में राजनीति की दशा दिशा बदल सकता है। देखना होगा कि आने वाले समय में भारत और विश्व की राजनीति क्या करवट लेती है।

कम बजट में एन्जॉय करें इन खूबसूरत वादियों में

नए साल की शुरुआत होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं सभी नए साल का स्वागत यादगार तरीके से करना चाहतें हैं। अगर आप भी न्यू ईयर सेलिब्रेशन करने की सोच रहें हैं तो आज आपको हम आपको कुछ ऐसी जगहे बताने वाले हैं जहां आप केवल 5000 में न्यू ईयर सेलिब्रेट कर सकते हैं।

2023 के स्वागत प्लान बना रहें हैं तो खुश हो जाइये क्योकि इस बार साल के पहले दिन की शुरुआत वीकेंड से हो रही है। ऐसे में आप कहीं भी दो से तीन दिन के लिए न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए जा सकते हैं। अगर आप कन्फ्यूज है डेस्टिनेशन और बजट को लेकर तो आप किसी भी कम बजट वाले हिल स्टेशन पर इंजॉय कर सकते हैं। उत्तराखंड के कुछ हिल स्टेशन आपके न्यू ईयर सेलिब्रेशन का मजा दुगना कर देंगे क्योकि आप यहां कम खर्च में भी पूरा इंजॉय कर सकते हैं। आइये जानते हैं इन स्थानों के बारे में-

ऋषिकेश

ऋषिकेश का नाम सुनते ही आपके जेहन में रिवर राफ्टिंग, कैम्पिंग जैसी एक्टिविटीज़ आने लगती है। ऋषिकेश में साल भर देशी विदेशी पर्यटकों की भरमार रहती है। यहां बहुत सी धर्मशालाएं है जहां आप मुफ्त में भी ठहर सकते हैं। तीन दिन की ऋषिकेश ट्रिप का खर्च लगभग पांच हजार रूपये आ सकता है। दिल्ली से ऋषिकेश की दूरी 263 किलोमीटर है और किराया भी आपके बजट में है।

लैंसडाउन

लैंस डाउन की दूरी दिल्ली से 280 किलोमीटर है जानें में लगभग 7 घंटे लगते हैं। कम खर्च वीकेंड इंजॉय करने के लिए लैंस डाउन आपके लिए बेस्ट ऑप्शन है। यहां के शांत वातावरण में आप फैमिली और दोस्तों के साथ फुल इंजॉय कर सकते हैं। यहां आप रिवर रॉफ्टिंग और ट्रैकिंग का मजा ले सकते हैं। लैंसडाउनमें भी कम बजट में न्यू ईयर का सेलिब्रेशन का पूरा आनंद मिलेगा।

अल्मोड़ा

अल्मोड़ा दिल्ली से लगभग 305 किलोमीटर की दूरी पर है यहां पहुंचने में आपको 7 घंटे लगते हैं। अल्मोड़ा के पहाड़ो की खूबसूरती और यहां का जीरो पॉइंट डियर पार्क आपके न्यू ईयर सेलिब्रेशन को यादगार बना देंगे। अल्मोड़ा हिमालय के पहाड़ो से घिरा हुआ है। यहां भी आप कम बजट में एन्जॉय कर सकते हैं।

कसोल

कम पैसों में नए साल का स्वागत आप कसोल में कर सकते हैं। हिमांचल में बसा कसोल आपका मन मोह लेगा यहां की नैचुरल खूबसूरती आपके न्यू ईयर सेलिब्रेशन में चार चांद लगा देगी। कसोल जानें के लिए आपको दिल्ली से बस मिल जाएगी जिसका किराया 500-1000 तक हो सकता है। यात्रा में लगभग 12 घंटे लगते हैं। नजदीकी एयरपोर्ट कुल्लू है। कुल्लू यहां से लगभग 42 किलोमीटर की दूरी पर है। कसोल की ट्रिप भी कम पैसों में इंजॉय कर सकते हैं। यहां का मलाणा गांव भी घूम सकते हैं। यहां के घने जंगल और उनके बहती पार्वती नदी की खूबसूरती आपके सेलिब्रेशन को यादगार बना देंगे ।

नए साल पर जश्न मनाने के लिए बजट के अंदर इन 5 जगहों पर घूमकर आएं, रोमांच से भरपूर रहेगा ट्रिप

साल 2024 का आखिरी महीना दिसंबर चला है। कुछ दिनों में हम सभी नए साल 2025 का वेलकम करने जा रहे हैं। ऐसे में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए के लिए ज्यादा दिन नहीं बचें। अगर आप कहीं दोस्तों और फैमिली के साथ घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। कम बजट में न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए आप भारत के इन खूबसूरत जगहों पर जरुर जाएं। नववर्ष का जश्न मनाने के लिए आप इन 5 खूबसूरत जगहों पर जाएं।

ऋषिकेश

नए साल का सेलिब्रेशन के लिए आप कम बजट में ऋषिकेश घूमने जा सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटीज कर सकते हैं। बंजी जंपिंग, रिवर राफ्टिंग, बोट राइडिंग और ट्रेकिंग कर सकते हैं। इतना ही नहीं, यहा पर आप गंगा आरती लाइव देख सकते हैं। ऋषिकेश में कई फेमस जगहें जहां आप जा सकते हैं जैसे कि परमार्थ निकेतन, त्रिवेणी घाट और नीलकंठ मंदिर देखने जा सकते हैं।

जयपुर

न्यू ईयर को सेलिब्रेट करने के लिए आप कम खर्चे में पिंक सिटी जयपुर जा सकते हैं। यहां आप अपनी फैमिली और दोस्तों के साथ एन्जॉय कर सकते हैं। यहां पर आप पत्रिका गेट, सिटी प्लेस, हवा महल और कई लोकप्रिक म्यूजियम देख सकते हैं। अब आप जयपुर में भी पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर ब्लून का मजा ले सकते हैं। आप यहां पर लेट नाइट पार्टी कर सकते हैं।

मनाली

अगर आप न्यू ईयर के सेलिब्रेशन के लिए बर्फबारी लुत्फ ले सकते हैं। इस समय मनाली में स्नोफॉल हो रहा है। यहां आप एडवेंचर एक्टिविटी कर सकते हैं इसके साथ ही लेट नाइट पार्टी कर सकते हैं। यहां पर शॉपिंग भी कर सकते हैं। न्यू ईयर के जश्न मनाने के लिए मनाली सबसे बेस्ट जगह है। आप कम बजट के लिए हॉस्टल में रुक सकते हैं, ये ज्यादा महंगे नहीं होते है। यहां पर रेंट पर टैक्सी और बाइक मिल जाती है।

ऊटी

यदि आप न्यू ईयर के सेलिब्रेशन के लिए दक्षिण भारत की तरफ जाना चाहते हैं, तो आप साउथ की सबसे बेस्ट जगह ऊटी जा सकते हैं। यहां पर चाय बगान काफी सुंदर देखने को मिलेंगे। सर्दी दौरान यह हिल स्टेशन अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए जाना जाता है। आप कम बजट में यहां पर फैमिली और दोस्तों के साथ घूमने जा सकते हैं।

उदयपुर

राजस्थान का यह शहर झीलों के नाम से जाना जाता है। लेक ऑफ सिटी उदयपुर में आप नए साल का वेलकम अच्छे से कर सकते हैं। यहां पर आप लेक व्यू देख सकते हैं और लोकप्रिय म्यूजियम व इमारत देख सकते हैं। कम बजट में आप उदयपुर अच्छे से न्यू ईयर सेलिब्रेट कर सकते है।

शिमला

अगर आपको पहाड़ों पर जाना सबसे ज्यादा पसंद है, तो आप शिमला जा सकते हैं। यहां पर बर्फबारी का मजा आप ले सकते हैं। शिमला में न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए लेट नाइट पार्टी कर सकते हैं। यहां पर आप सुंदर चर्च देख सकते हैं। शिमला का सबसे फेमस मॉल रोड़ पर घूमने जा सकते हैं। अगर आप न्यू ईयर को सेलिब्रेट प्राकृतिक और जनवरों के बीच करना चाहते हैं, तो आप सरिस्का घूमने जा सकते हैं।

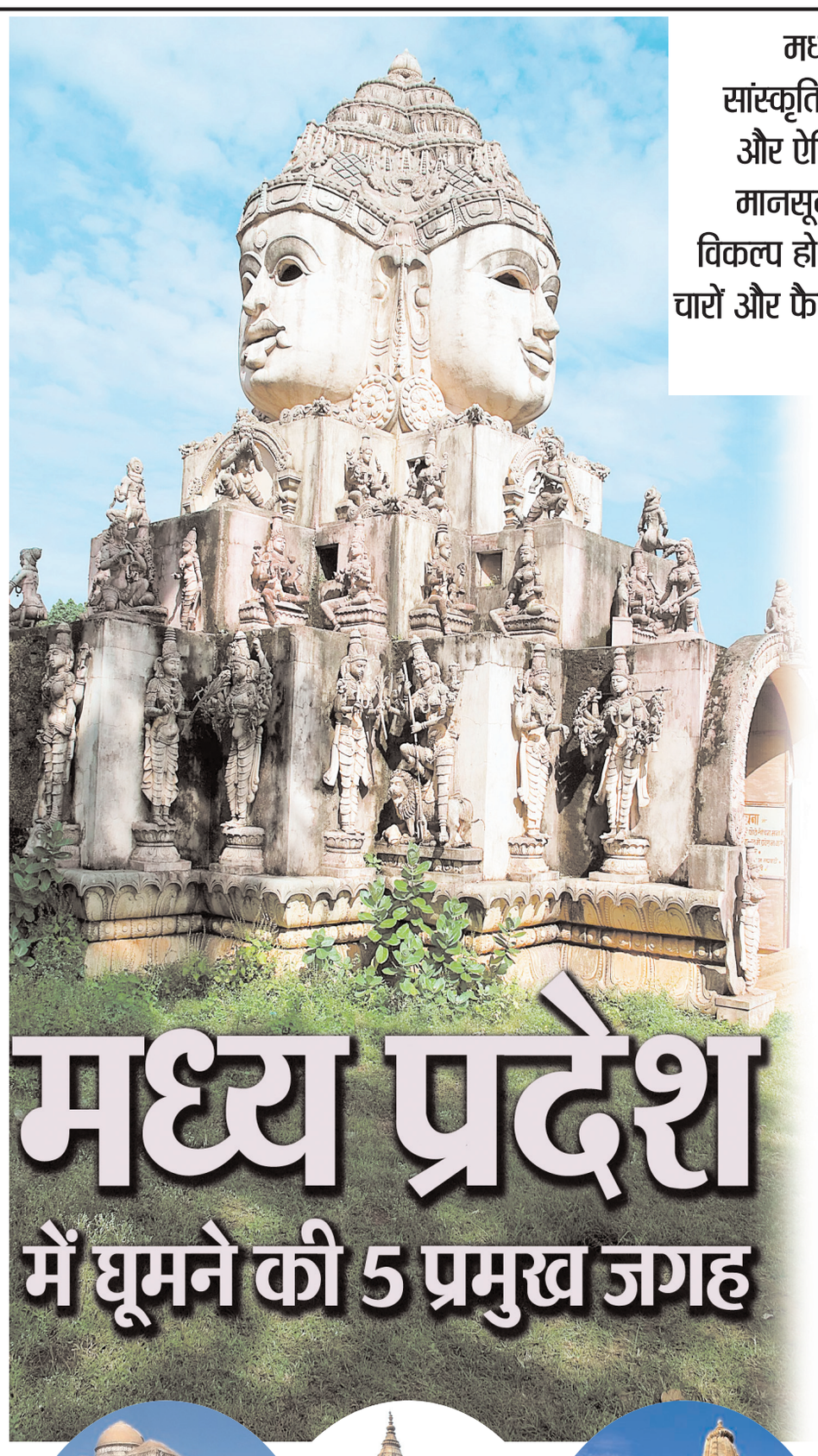

मध्य प्रदेश - देश का दिल कहा जाने वाला एक ऐसा प्रदेश जो अपनी सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्म, प्राकृतिक सौन्दर्य एवं सम्पदा, वन्य जीव, और ऐतिहासिक धरोहरों के कारण देश विदेश में प्रसिद्ध है। यदि आप इस मानसून में कही घूमना चाहते हैं, तो मध्य प्रदेश आपके लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है। यहाँ कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जो मानसून के दौरान चारों और फैली हरियाली, बहती नदियों, और पर्वतों से गिरते झरनों के कारण पर्यटकों को अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य का अनुभव कराते हैं।

1.पचमढ़ी

भोपाल से लगभग 200 किलोमीटर की दूरी पर होशंगाबाद जिले में स्थित है। सिंध व सतपुड़ा की सुंदर पहाड़ियों से घिरा यह मध्यप्रदेश का सबसे ऊंचा पर्यटन स्थल है, जिसकी ऊंचाई क़रीब 1100 मीटर है। मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल-स्टेशन को अपनी प्राकृतिक सौन्दर्यता के कारण सतपुड़ा की रानी के नाम से भी जाना जाता है। पचमढ़ी को अपने वनस्पतियों और जीवों के लिए यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व में भी सूचीबद्ध किया गया है। ऐसा माना जाता है कि पांचों पांडवों ने अपने वनवास के दौरान इस स्थान का दौरा किया था ।

2.मांडू

मांडू पश्चिमि मध्य प्रदेश के मालवा में इंदौर से लगभग 90 किमी दूर एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां पर स्थित खूबसूरत ऐतिहासिक स्मारकों की वास्तुकला विभिन्न शासन काल के प्रभाव को दर्शाती है। मानसून की रिमझिम बारिश, हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता के मध्य इन इमारतों की खूबसूरती पर्यटकों को और भी आकर्षित करती है ।

यदि आप मांडू में घूमने की जगह के बारे में और विस्तृत जानकारी प्राप्त करना चाहते है तो मध्यप्रदेश टूरिज्म की वेबसाइट पर यहाँ के पर्यटन स्थलों, ठहरने के लिए होटल, रिसोर्ट, यात्रामार्ग, टूरिस्ट गाइड, और मांडू के आस पास घूमने की और भी जगह के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं -

3.ओरछा

मध्यप्रदेश में बेतवा नदी के तट पर बसा, ओरछा शहर एक समय शक्तिशाली बुंदेला राजपूतों की राजधानी हुआ करता था जो आज बहुत शांत और सुंदर है। यहां ओरछा के सम्राटों द्वारा बनाए गए भव्य मंदिर और स्मारकों के कारण यह पर्यटन स्थल देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

ओरछा के मुख्य किले के अतिरिक्त यहां राजा राम का मंदिर, जहांगीर महल, राजा महल स्टैंड, चतुर्भुज मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, हनुमान मंदिर, परवीन महल, शीश महल, कंचन घाट पर स्थित छतरियां व कई अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

मानसून के दौरान यहाँ चारों और फैली हरियाली और प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच इन ऐतिहासिक विरासतों का नजारा पर्यटकों के लिए किसी शानदार अनुभव से कम नहीं। इसके अलावा , अगर मौसम अनुकूल रहता है, तो आप बेतवा में राफ्टिंग का भी आनंद ले सकते हैं ।

4.खजुराहो

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित खजुराहो एक बहुत ही खूबसूरत पर्यटन स्थल, जो पूरे विश्व में अपने प्राचीन धरोहरों और मध्य-कालीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। खजुराहो मंदिर मूल रूप से हिंदू और जैन मंदिरों का एक संग्रह है, जिनका निर्माण 950 ईस्वी और 1050 ईस्वी के मध्य चंदेल वंश द्वारा करवाया गया था। इन पौराणिक मंदिरों की भव्यता और अद्भुत शिल्प कौशल हमेशा से पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। सन 1986 में यूनेस्को द्वारा इन मंदिरों को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में स्थान दिया गया है, जो इसके महत्व को दर्शाता है। इसके साथ हीं विश्व विख्यात अंतरराष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह भी पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है।

5.अमरकंटक

भोपाल से लगभग दूरी 550 किमी और जबलपुर से लगभग 250 किमी दुरी पर स्थित अमरकंटक मध्य प्रदेश का एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है । भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक नर्मदा के अलावा सोन और जोहिला यहाँ से निकलती है। यदि आप प्रकृति को निहारना पसंद करते है, तो मानसून के दौरान अमरकंटक से कुछ दूरी पर स्थित कई खूबसूरत स्थल आपको जरूर देखने चाहिए, जैसे नर्मदा उद्गम मंदिर नर्मदा कुंड, सोनमुड़ा (सोन नदी का स्रोत), दुग्धधारा जल प्रपात और कपिलधारा जल प्रपात जो अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य से घिरे हुए हैं।

अमरकंटक की समृद्ध प्राकृतिक विरासत और आध्यात्मिक तरंगें आपके दिल को खुशी और सकारात्मकता से भर देगी। अगर आप अभी भी इस मौसम से बाहर निकलने के मूड में नहीं हैं तो चिंता ना करें एमपीटी हॉलिडे होम्स में शानदार नाश्ते व गरमा गरम चाय, कॉफी के साथ आप अपने कमरे की खिड़कियों से खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों का आनंद ले सकते हैं।

महाराष्ट्र की 8 जगहें जो आपको जरूर देखनी चाहिए...

महाराष्ट्र भारत के दक्षिण मध्य में स्थित है. इसकी राजधानी मुंबई देश की आर्थिक राजधानी के रूप में भी जानी जाती है और यहां का पुणे शहर भी भारत के बड़े महानगरों मे गिना जाता है. पुणे भारत का छठा सबसे बड़ा शहर है. इसके अलावा यहां एक से बढ़कर एक टूरिस्ट सिटीज भी हैं...

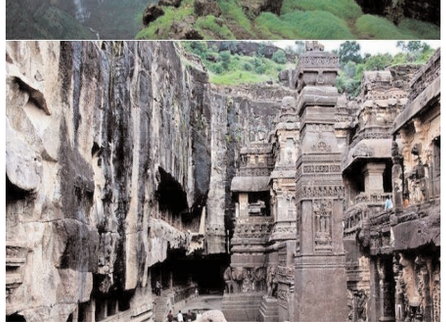

1. अमरावती

महाराष्ट्र के उत्तर पूर्व दिशा में स्थित अमरावती देवताओं के राजा इन्द्र का शहर माना जाता है. अनेक ऐतिहासिक मंदिर और अभ्यारण्य इसके खास पर्यटन स्थल हैं. यहां का देवी अंबा, भगवान श्रीकृष्ण और वेंकटेश्वर मंदिर पूरे महाराष्ट्र में प्रसिद्ध हैं. अमरावती की बीर और शक्कर झील काफी चर्चित हैं. अमरावती जिले के चीकलधारा और धरनी तहसील में स्थित टाईगर रिजर्व 1597 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है.

2. नासिक

नासिक को नासहिक के नाम से भी जाना जाता है. नासिक महाराष्ट्र राज्य के उत्तर-पश्चिम में स्थित है. यह शहर प्रमुख रूप से हिन्दू तीर्थयात्रियों का प्रमुख केन्द्र है. नासिक में लगने वाला कुंभ मेला शहर के आकर्षण का सबसे बड़ा केन्द्र है. यहां 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक त्र्यंबकेश्वर मंदिर भी है.

3. पुणे

पुणे को महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी और 'क्वीन ऑफ द दक्कन' के नाम से भी जाना जाता है. पुणे में शनिवारवाड़ा महल है जो पेशवा का निवास स्थान था. इस महल की नींव बाजीराव प्रथम ने 1730 ई. में रखी थी. यहां आगाखान महल भी है. इसका निर्माण 1892 में इमाम सुल्तान मोहम्मद शाह आगाखान तृतीय ने करवाया था. 1969 में आगाखान चतुर्थ ने यह भारत सरकार को सौंप दिया.

4. मुंबई

मुंबई को पहले बॉम्बे के नाम से जाना जाता था. भारत के चार प्रमुख महानगरों में से एक होने के साथ-साथ यह महाराष्ट्र की राजधानी भी है. इसे भारत की आर्थिक राजधानी भी कहा जाता है. यहां देश के प्रमुख वित्तीय और संचार केन्द्र हैं. यहां गेटवे आफॅ इंडिया, हाजी अली, जूहू बीच, जोगेश्?वरी गुफा, हैंगिंग गार्डन, सिद्धिविनायक मंदिर, मरीन ड्राइव जरूर घूमें.

5. रत्नागिरी

समुद्र से घिरा बाल गंगाधर तिलक का यह जन्मस्थान भारत के महाराष्ट्र राज्य के दक्षिण-पश्चिम भाग में अरब सागर के तट पर स्थित है. यह कोंकण क्षेत्र का ही एक भाग है. यहां बहुत लंबा समुद्र तट है. यहां कई बंदरगाह भी हैं. रत्नागिरी में दो विशाल बौद्ध मठ थे मठ के अतिरिक्त यहां से छह मंदिर, हजारों छोटे स्तूप, 1386 मुहरें, असंख्य मूर्तियां आदि के अवशेष मिले हैं, थीवा महल, रत्नागिरी किला भी आकर्षण का केंद्र हैं.

6. लोनावाला

यह एक हिल स्टेशन है. इसे सहयाद्रि पहाडियों के मणि के नाम से भी जाना जाता है. इसे स्वास्थ्यवर्धक पर्यटक स्थल मानते हैं. ये समुद्र तल से 625 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. इसे मुंबई और पूना का प्रवेश द्वार भी माना जाता है. वुड पार्क लोनावाला के मुख्य बाजार के ठीक पीछे स्थित है. यह एक जैविक उद्यान है. इस पार्क के विपरीत दिशा में एक पुराना ईसाई कब्रिस्तान है. इसकी बहुत सी कब्रें 100 साल पुरानी हैं.

7. औरंगाबाद

औरंगाबाद विश्व में अजंता और एलोरा की प्रसिद्ध बौद्ध गुफाओं के लिए जाना जाता है. इन गुफाओं को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल कर लिया गया है. मध्यकाल में औरंगाबाद भारत में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता था. औरंगजेब ने अपने जीवन का उत्तरार्द्ध यहीं व्यतीत किया था और यहीं औरंगजेब की मृत्यु भी हुई थी. औरंगजेब की पत्नी रबिया दुरानी का मकबरा भी यही हैं और पनचक्की भी अच्छा टूरिस्ट प्लेस है.

8. दौलताबाद

यह शहर औरंगाबाद जिले में है. इसे देवगिरि के नाम से भी जाना जाता है. दौलताबाद में बहुत सी ऐतिहासिक इमारतें हैं जिन्हें जरूर देखना चाहिए. इन इमारतों में जामा मस्जिद, चांद मीनार, चीनी महल और दौलताबाद का किला शामिल हैं.

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मनमोहन सिंह के निधन पर 7 दिन का राजकीय शोक

नईदिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत के बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में गुरुवार रात दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में सात दिन के शोक की घोषणा की है। इस अवधि के दौरान, पूरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और इन सात दिनों में कोई आधिकारिक मनोरंजन नहीं होगा। विदेशों में सभी भारतीय मिशनों और उच्चायोगों से भी आधे मस्तूल का पालन करने का अनुरोध किया गया है। भारत में राष्ट्रीय शोक की अवधि के दौरान, उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा जहां इसे नियमित रूप से प्रदर्शित किया जाता है, और शोक के निर्दिष्ट दिनों में कोई आधिकारिक मनोरंजन नहीं होगा। इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने गुरुवार, 26 दिसंबर से सात दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की। इसके अलावा, दिवंगत नेता के सम्मान में 27 दिसंबर को सरकारी अवकाश घोषित किया गया है।

डॉ. मनमोहन सिंह को मिले भारत रत्न : आप

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के एक दिन बाद उन्हें भारत रत्न देने की मांग की है। दिल्ली चुनाव से पहले सबसे पुरानी पार्टी के साथ टकराव के बीच आप की ओर से कांग्रेस नेता के लिए भारत रत्न की मांग की गई है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि उनके पास भारत रत्न पाने के लिए जरूरी सभी योग्यताएं हैं। भारत सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्यसभा पहुंचने से लेकर अब तक उनका आशीर्वाद मुझे मिला। मुझे एक घटना याद आती है जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आप नेता ने कहा कि एक बार जब मैं हस्ताक्षर कर रहा था तो कोई डिजिटल हस्ताक्षर नहीं थे। मैंने देखा कि किसी ने पीछे से मेरे कंधे पर हाथ रखा। मैंने देखा कि डॉ. मनमोहन सिंह खड़े थे। मैंने उनके पैर छुए। उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा और कहा कि संजय सिंह जी, आप विपक्ष की मजबूत आवाज हैं। ये शब्द मुझे हमेशा याद रहेंगे।

मोदी 29 को गाजियाबाद में नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को साहिबाबाद से आनंद विहार स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके मद्देनजर गाजियाबाद में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए गाजियाबाद पुलिस ने आठ थाना क्षेत्रों को ड्रोन रहित क्षेत्र घोषित किया है। अपर पुलिस आयुक्त राजेश कुमार ने कहा, प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोतवाली, मधुबन बापूधाम, नंदग्राम, लिंक रोड, साहिबाबाद, इंदिरापुरम, सिहानी गेट और कौशांबी थाना क्षेत्रों में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (उपद्रव या खतरे की आशंका के तत्काल मामलों में आदेश जारी करने की शक्ति) भी लागू की है। कुमार ने कहा, पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और हम जल्द ही कार्यक्रम के दौरान सुचारू आवाजाही के लिए मार्ग परिवर्तन योजना जारी करेंगे।

सीएम नीतीश कुमार ने रद्द की अपनी प्रगति यात्रा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को अगले दो दिनों-27 और 28 दिसंबर के लिए अपनी प्रगति यात्रा रद्द कर दी। उनके कार्यालय ने इस बात की जानकारी दी है। बिहार में सात दिनों का राजकीय शोक भी घोषित हैं। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद लिया गया, जिनका गुरुवार शाम 92 साल की उम्र में निधन हो गया। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के लोगों तक पहुंचने के लिए नीतीश कुमार राज्यव्यापी दौरे, प्रगति यात्रा पर थे। इससे पहले एक पोस्ट में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन दुखद है। नीतीश ने आगे लिखा था कि वे एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं अर्थशास्त्री थे। उनके नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली। डॉ. मनमोहन सिंह का निधन भारतीय राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। हम दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का पंजाब सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता देने के आदेश का पालन नहीं करने के लिए मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना याचिका को लेकर पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया। किसान नेता को चिकित्सा सहायता मामले में कोर्ट ने पंजाब सरकार को शनिवार तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि हम किसान नेता डल्लेवाल के जीवन और सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पंजाब सरकार उन्हें चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए। कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा होती है तो आपको उससे सख्ती से निपटना होगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अवकाशकालीन पीठ ने डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता के संबंध में शीर्ष अदालत के आदेश का पालन नहीं करने के कारण मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना याचिका पर पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया।

मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक : मोदी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। देश में सात दिन के राष्ट्रीय शोक का एलान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनमोहन सिंह के आवास जाकर पूर्व पीएम के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक शोक संदेश जारी किया और पूर्व पीएम को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि %पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से निधन से हम सभी दुखी हैं। उनका जाना देश के लिए बड़ा झटका है। मनमोहन सिंह का जीवन भावी पीढ़ियों के लिए उदाहरण है कि किस तरह से वे सभी चुनौतियों से पार पाकर ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह हमेशा एक ईमानदार नेता, एक महान अर्थशास्त्री और एक ऐसा नेता के तौर पर याद रखे जाएंगे, जिन्होंने खुद को सुधारों के प्रति समर्पित कर दिया। एक अर्थशास्त्री के रूप में, खासकर चुनौतीपूर्ण समय में उन्होंने देश की बड़ी सेवा की। उन्होंने अलग-अलग पदों पर अपने सेवाएं दीं और देश की विकास यात्रा में अहम योगदान दिया। उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में सेवाएं दीं। पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहे और देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी।

पीएम मोदी ने कहा कि जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो समर्पण था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक था। उनकी सौम्यता, बौद्धिकता उनके जीवन की पहचान रही। मुझे याद है, जब राज्यसभा में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ था तो मैंने कहा था कि उनका बतौर सांसद समर्पण सीखने लायक है।

प्रधानमंत्री ने कहा उच्च पदों पर रहने के बावजूद मनमोहन सिंह अपनी जड़ों को कभी नहीं भूले। वे सभी के लिए सहज उपलब्ध रहे। जब मैं मुख्यमंत्री था तो मनमोहन सिंह के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुले मन से चर्चा होती थी। दिल्ली आने के बाद भी उनसे समय-समय पर चर्चा होती थी, वो चर्चाएं और मुलाकातें मुझे हमेशा याद रहेंगी। आज इस कठिन घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं अर्पित करता हूं।

मोदी कैबिनेट ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह ने राष्ट्रीय जीवन पर अपनी छाप छोड़ी है। उनके निधन से राष्ट्र ने ए प्रख्यात राजनेता, जानेमाने अर्थशास्त्री और एक प्रतिष्ठित नेता खो दिया।

आधिकारिक बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में एक शोक प्रस्ताव पारित किया। मंत्रिमंडल ने दो मिनट का मौन रखकर डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। बयान में आगे कहा गया कि उनके सम्मान में एक जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए राजकीय शोक घोषित किया गया है। इस दौरान पूरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका दिया जाएगा और विदेशों में स्थित सभी भारतीय मिशनों व उच्चायोगों में भी राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

बयान में बताया गया कि मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। इस दौरान केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश घोषित किया जाएगा। शोक प्रस्ताव में कहा गया, मंत्रिमंडल 26 दिसंबर, 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है।

मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को नयी दिशा दी : रामनाथ कोविंद

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे समय में केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में अर्थव्यवस्था की बागडोर संभाली थी जब देश आर्थिक मोर्चे पर संकट का सामना कर रहा था। कोलकाता में एक कार्यक्रम में कोविंद ने सिंह के निधन को अपनी व्यक्तिगत क्षति बताते हुए कहा कि सिंह विनम्रता के प्रतीक थे। कोविंद ने कहा, उन्होंने कभी आपत्तिजनक, असंसदीय शब्द नहीं बोला। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि सिंह ने अर्थव्यवस्था को एक नयी दिशा दी और देश को एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंचाया।

कोविंद ने कहा, मनमोहन सिंह को आधुनिक निर्माता सुधारक के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने सिंह को 'विज्ञान और आध्यात्म' का एक ऐसा मिलाजुला रूप बताया जिसमें भारत के मूल्य और संस्कार गहरे तक रचे-बसे थे। भारत में आर्थिक क्रांति लाने वाले सिंह का बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। सिंह 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री थे।

कांग्रेस ने अपने सभी कार्यक्रम सात दिन के लिए रद्द किए

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में अपने सभी आधिकारिक कार्यक्रमों को सात दिन के लिए रद्द कर दिया है। मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 92 साल के थे।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के सम्मान में, स्थापना दिवस समारोह सहित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सभी आधिकारिक कार्यक्रम अगले सात दिन के लिए रद्द कर दिए गए हैं।''

उन्होंने कहा कि इसमें सभी आंदोलनात्मक और संपर्क कार्यक्रम शामिल हैं। वेणुगोपाल ने बताया, ''पार्टी के कार्यक्रम 3 जनवरी, 2025 को फिर से शुरू होंगे। शोक की इस अवधि के दौरान पार्टी का झंडा आधा झुका रहेगा।

मनमोहन हाशिए के लोगों का उत्थान करने वाले प्रधानमंत्री के रूप में याद किए जाएंगे

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को एक ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने ''अल्पसंख्यकों और पिछड़ा वर्ग समेत हाशिए पर पड़े लोगों'' के उत्थान के लिए गंभीर प्रयास किए।

सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि विभाजन की पीड़ा झेलने वाले दिवंगत नेता की कहानी प्रेरक है जो साधारण पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने के बावजूद अपनी मेहनत और लगन से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर, वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैं उन्हें हमेशा ऐसे एकमात्र प्रधानमंत्री के रूप में याद रखूंगा, जिन्होंने अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्गों सहित भारत में हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान के लिए ईमानदारी से प्रयास किए। उनके परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों के प्रति मेरी संवेदनाएं।''

बिहार में खेला करने की तैयारी में आरजेडी

सीएम नीतीश को दे दिया ऑफर

पटना। बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार को लेकर अटकलों का दौर लगातार जारी है। वहीं, विपक्षी राजद भी खेल करने की तैयारी में हैं। राजद ने साफ तौर पर कहा कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ एक और गठबंधन के लिए तैयार है, अगर जदयू अध्यक्ष भाजपा के साथ संबंध तोड़ने की इच्छा दिखाते हैं जो सांप्रदायिक ताकतों का प्रतिनिधित्व करती है। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के करीबी सहयोगी और विधायक भाई वीरेंद्र ने खगड़िया जिले में पत्रकारों के सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की।

भाई वीरेंद्र ने कहा कि राजनीति में कोई स्थाई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। बीरेंद्र ने कहा कि अगर नीतीश सांप्रदायिक ताकतों के साथ गठबंधन तोड़ने के बाद हमारे पास आते हैं, तो हम उनका स्वागत करेंगे। उनकी टिप्पणी इस बात पर स्पष्ट रस्साकशी के बीच आई है कि क्या नीतीश अगले साल के विधानसभा चुनाव में एनडीए का चेहरा होंगे। बीरेंद्र ने यह तय कर दिया है बिहार ने अतीत में जो राजनीतिक खेल देखे हैं, उन पर पत्रकारों को देखने के लिए कहा, खेला हो रहा है और आगे भी होगा, देखते रहिये।

इस बीच, राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए। उन्होंने पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, इसमें बड़ी बात क्या है?

अमित शाह द्वारा यह घोषणा किए जाने के कुछ समय बाद कि उनके लिए (नीतीश कुमार के लिए) दरवाजे बंद हो गए हैं, भाजपा ने एक साल पहले नीतीश कुमार के साथ फिर से गठबंधन किया। कम से कम, हमारे नेताओं ने कभी भी इस तरह की खोखली बयानबाजी का सहारा नहीं लिया है। ऐसी स्थिति पैदा होने पर उसके अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

खेल
प्रमुख समाचार

दूसरे दिन भारत ने 164 रन पर गंवाए 5 विकेट

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में शुरू हुआ चौथा टेस्ट मैच में दूसरे दिन स्टीव स्मिथ ने शतक लगाकर अपनी धुआंधार फॉर्म को बरकरार रखा है। स्मिथ ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत के खिलाफ रिकॉर्ड 11वां शतक लगाया। पहली सेशन में भारतीय गेंदबाज पूरी तरह नाकाम रहे। स्मिथ ने पैट कमिंस और टेलेंडर्स के साथ साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 474 रन तक पहुंचा दिया। भारतीय टीम अपनी पहली पारी में एक बार फिर नाकाम रही। यशस्वी जायसवाल के अर्द्धशतक की बदौलत भारत दूसरे दिन 5 विकेट खोकर 164 रन बनाए। भारत ऑस्ट्रेलिया से अभी 310 रन पीछे है। भारत के ऊपर फॉलोऑन का खतरा भी मंडराने लगा है। फॉलोऑन टालने के लिए उसे अभी 110 रन बनाने हैं और उसके पास 5 विकेट शेष हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार के स्कोर 311 रन पर 6 विकेट से आगे खेलना शुरू किया। स्टीव स्मिथ ने पहले सेशन में शतक जड़ा। पैट कमिंस ने भी उनका अच्छा साथ निभाया। लंच से पहले पैट कमिंस 49 रन बनाकर आउट हुए। लंच के बाद बैटिंग करने उतरी कंगारू टीम ज्यादा स्कोर नहीं कर सकी और 474 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम इंडिया के गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए 20 रन के भीतर ही 3 विकेट झटक दिए। स्टीव स्मिथ 140 रन बनाकर आउट हुए। वे आकाशदीप की गेंद पर तेज शॉट खेलने गए, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से बोल्ड हो गए। जसप्रीत बुमराह ने इस मैच में चार विकेट लिए। गुरुवार को उन्होंने कल तीन विकेट लिए थे और शुक्रवार को नाथन लियोन उनके चौथे शिकार बने। बुमराह के अलावा जडेजा ने 3 और आकाशदीप ने 2 विकेट लिए, जबकि वाशिंगटन सुंदर के खाते में एक विकेट आया।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 227 अंक चढ़ा निफ्टी 24,800 के पार

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार (27 दिसंबर) को हरे निशान में बंद हुए। एशियाई बाजारों में तेजी और फार्मा, ऑटो तथा फाइनेंशियल स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार को सपोर्ट मिला। एक्सपर्ट्स का कहना है कि साल 2024 के अंत में किसी बड़े ट्रिगर्स के नहीं होने की वजह से स्टॉक मार्केट में आज बढ़ोतरी देखने को मिली। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 100 से ज्यादा अंकों की बढ़त लेकर 78,607.62 पर खुला। खुलते ही यह 300 अंक की बढ़त लेकर 78,783.96 तक पहुंच गया। अंत में सेंसेक्स 226.59 अंक या 0.29% की बढ़त के साथ 78,699.07 पर क्लोज हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 23,801.40 अंक पर खुला। अंत में यह 63.20 अंक या 0.27 फीसदी की वृद्धि लेकर 23,813.40 पर बंद हुआ।

आर्थिक सुधारों में मनमोहन ने अमिट छाप छोड़ी : मल्होत्रा

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में उन्होंने अमिट छाप छोड़ी है। पूर्व प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री सिंह 1982 से 1985 के बीच आरबीआई के गवर्नर भी रहे। मल्होत्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' मैं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से बेहद दुखी हूं। वह एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर थे। भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में उनके योगदानों ने अमिट छाप छोड़ी है। आरबीआई इस शोकाकुल घड़ी में देश के साथ है। '' आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया और उन्हें एक प्रतिभाशाली अर्थशास्त्री करार दिया।

सनातन टेक्सटाइल्स के निवेशकों को मिला 31 प्रतिशत का मुनाफा

नईदिल्ली। सनातन टेक्सटाइल्स के शेयर दलाल स्ट्रीट पर शुक्रवार (27 दिसंबर) को अच्छे लिस्टिंग गेन के साथ लिस्ट हुए। कंपनी का स्टॉक 419 रुपये प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ, जो 321 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले 98 रुपये या 30.5 प्रतिशत का प्रीमियम बनता है। एनएसई पर स्टॉक 422.30 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो प्राइस बैंड की तुलना में 101.30 रुपये या 31.5 प्रतिशत का प्रीमियम है। इस हिसाब से निवेशकों को हर शेयर पर 98 रुपये का मुनाफा हुआ है। सनातन टेक्सटाइल्स के शेयर ग्रे मार्केट रुझानों के अनुरूप लिस्ट हुए। बाज़ारों पर नज़र रखने वाले जानकारों के अनुसार, कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 408 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। यह 321 रुपये के इश्यू प्राइस पर 87 रुपये या 27.1 प्रतिशत के प्रीमियम का संकेत देता है।

ट्रांसरेल लाइटिंग के शेयर 35% प्रीमियम पर लिस्ट हुए

नईदिल्ली। पावर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में सेवाएं देने वाली कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग के शेयर शुक्रवार (27दिसंबर) को स्टॉक मार्केट में शानदार लिस्टिंग गेन के साथ लिस्ट हो गए। कंपनी के शेयर बीएसई पर रू. 585.15 के भाव पर लिस्ट हुए, जो रू. 432 के प्राइस बैंड से 35.45% ज्यादा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रांसरेल लाइटिंग के शेयर 590 रुपये पर लिस्ट हुए, जो इश्यू प्राइस की तुलना में 37% ज्यादा है। इस हिसाब से ट्रांसरेल लाइटिंग के निवेशकों को हर शेयर पर 153 रुपये का लिस्टिंग गेन मिला है। ट्रांसरेल लाइटिंग आईपीओ का अलॉटमेंट मंगलवार (24 दिसंबर) को फाइनल हो गया। आईपीओ को निवेशकों से अच्छा रिस्पांस मिला था। पब्लिक इश्यू अप्लाई करने के लिए 19 दिसंबर को खुला था और यह 23 दिसंबर को बंद हो गया।

सरल कर व्यवस्था से बढ़ेगी आर्थिक रफ्तार?

डॉ. जयंती लाल भण्डारी

जिस तरह सरकार सरल कर व्यवस्था के लिए एक के बाद एक लगातार प्रभावी कदम आगे बढ़ा रही है, उससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज होगी। हाल ही में 21 दिसंबर को जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) काउंसिल की जैसलमेर में हुई 55वीं बैठक में जीएसटी के सरलीकरण व राहत संबंधी कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। खासतौर से छोटे कर्जदारों को राहत देते हुए यह कहा गया है कि ऋण शर्तों का पालन नहीं करने पर ऋणदाताओं द्वारा जो जुर्माना लगाया जाएगा, उस पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। खास किस्म के फोर्टिफाइड चावल पर जीएसटी कम किया गया है।

कैंसर की जीन थेरेपी को कर मुक्त किया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष अगस्त 2024 में आयकर अधिनियम सरल बनाने के लिए मुख्य आयकर आयुक्त वी। के। गुप्ता की अध्यक्षता में गठित समिति कर रियायतों को तर्कसंगत बनाने, कर गणना के तरीके का स्तर बढ़ाकर इसे विश्वस्तरीय बनाने और अपील करने की व्यवस्था में जटिलता कम करने संबंधी सुधारों पर तेजी से काम कर रही है।

यह समिति कर विशेषज्ञों और विभिन्न निकायों से प्राप्त सिफारिशों की समीक्षा कर रही है। ज्ञातव्य है कि आयकर अधिनियम, 1961 की करीब 90 धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं।

मौजूदा स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) व्यवस्था को सरल करने सीमा शुल्क कानून की तरह ही समिति दरों की एक व्यापक

अनुसूची बनाने पर आगे बढ़ रही है। इससे कानूनी जटिलताएं और मुकदमेबाजी में काफी कमी आएगी तथा कर कटौती प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी होगी।

उम्मीद है कि वीके गुप्ता समिति की रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत होगी और इसके आधार पर विधि मंत्रालय की मदद से नए आयकर विधेयक का मसौदा तैयार किया जाएगा। चूंकि देश ने 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य रखा है, उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए कर सुधारों के साथ कर संग्रह में लगातार इजाफा जरूरी होगा और तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल से कर संग्रह में वृद्धि तेज की जानी होगी।

ऐसे में यह उपयुक्त होगा कि आयकर अधिनियम को सरल बनाने के लिए गठित की गई वी।के। गुप्ता समिति शीघ्रतापूर्वक अपनी रिपोर्ट पूर्ण करते हुए इस बात पर ध्यान दे कि प्रति व्यक्ति आय के लिए छूट की सीमा को कम करने के मद्देनजर छूट के स्तर को निकट भविष्य में अपरिवर्तित रखा जाए।

समिति को ध्यान देना होगा कि करदाताओं की संख्या में इजाफा कर व्यवस्था को अधिक निष्पक्ष बनाया जाए ताकि इससे कर भुगतान को लेकर दृष्टिकोण को सही दिशा में बढ़ावा मिल सके। साथ ही विभिन्न दृष्टिकोणों से आयकर प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में आगे बढ़ने की रणनीति प्रस्तुत की जानी होगी।

इसी प्रकार जीएसटी की जटिलताओं को कम करके इसे अधिक सरल व कारगर बनाना होगा। नई टेक्नोलॉजी के उपयोग से जीएसटी अनुपालन जितना अधिक कारगर होगा, उतना ही अधिक जीएसटी संग्रह बढ़ाया जा सकेगा। इसके अलावा सरकार के द्वारा जीएसटी चोरी के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाया जाना होगा, क्योंकि अभी कई कारोबारी फर्जी बिल के इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठा रहे हैं। टैक्स चोरी रोकने के लिए प्रशासनिक स्तर पर भी प्रभावी बदलाव किए जाने होंगे।

भाजपा संगठन चुनावः जिला अध्यक्षों के लिए तीन-तीन नामों का पैनल तैयार

माहिलाओं की रहेगी अहम भागेदारी

रायपुर. छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन चुनाव की समीक्षा बैठक पूरी हो चुकी है. केंद्रीय पर्यवेक्षक सांसद गजेंद्र सिंह पटेल के मौजूदगी में बैठक पूरी हुई. सभी 33 जिलों से आए नामों में से 3 नामों का पैनल तैयार कर दिल्ली भेजा जाएगा. जिला अध्यक्षों की नियुक्ति पर जातिगत समीकरण से महिलाओं की भी हिस्सेदारी रहने वाली है.

समीक्षा बैठक को लेकर केंद्रीय पर्यवेक्षक सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि बीजेपी के संगठन चुनाव के लिए बैठक बुलाई गई है. बूथ अध्यक्षों के अनुरूप मंडल अध्यक्षों का चुनाव किया है. मंडल के निर्वाचन के साथ हमने जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली है. जिसमें जिला निर्वाचन अधिकारी समेत संगठन के महत्वपूर्ण चेहरे शामिल थे.

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और यहां कार्यकर्ताओं के अनुरूप संगठन को गढ़ा जाता है. छत्तीसगढ़ के जिलों के निर्वाचन अधिकारी और पर्यवेक्षकों के रायशुमारी से निश्चित तौर पर कार्यकर्ताओं के बीच से जिला अध्यक्षों को चुना जाएगा. जातिगत समीकरण, कार्यकर्ताओं के आधार पर और पिछले कार्यों के आधार पर नामों का पैनल तैयार किया जा रहा है. जल्द ही जिला अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी जाएगी.

अन्य जगहों की होगी पुलिस भर्ती प्रक्रिया की जांचः शर्मा

रायपुर। राजनांदगांव पुलिस भर्ती को रद्द करने के बाद गृह मंत्री विजय शर्मा ने अब अन्य जगहों की पुलिस भर्ती प्रक्रिया की जांच करने की बात कही है. इसके साथ ही मामले में आक्रामक कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को अपनी भर्ती प्रक्रिया की ओर ध्यान देना चाहिए. पीएससी, शराब घोटाला मामले में अंदर हुए लोगों पर उन्हें ध्यान देना चाहिए. उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने पुलिस भर्ती प्रक्रिया को लेकर बताया कि पूरे शुद्धिकरण के बाद एक-एक चयन अभ्यर्थी की क्षमता के आधार पर होगा. सभी जगहों पर इस बात को चेक किया जाएगा. कहीं कुछ पाया गया, तब वहां भी जांच होगी. भर्ती प्रक्रिया में जो गड़बड़ी हुई है, उसमें सुधार कर रहे हैं.

पंचायत चुनाव को लेकर विजय शर्मा ने कहा कि पंचायत चुनाव निर्धारित समय से पहले हो जाएंगे. चुनाव आयोग बताएगा. सरकार की तैयारी पूरी है. उम्मीद है कि चुनाव एग्जाम के पहले होना चाहिए।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार लेकर लौटी हेमबती का माना एयरपोर्ट में स्वागत

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित बालगृह (बालिका) कोंडागांव में निवासरत बालिका जूडो खिलाड़ी कुमारी हेमबती को कल 26 दिसम्बर को राष्ट्पति द्रोपदी मुर्मू जी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया था । उन्हें मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया और साथ ही पुरस्कार की राशि रु 1 लाख हेमबती के बैंक एकाउंट में भेजा जाएगा। आज दोपहर बालगृह कोंडागांव की अधीक्षक श्रीमती मणि शर्मा के साथ हेमबती पुरस्कार प्राप्त कर रायपुर पहुंची , विमानतल में छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष डॉ कमल वर्मा , महासचिव चंद्रेश शाह, संयुक्त सचिव राजेन्द्र कुमार निगम, प्रभा सेंद्रे, श्वेता सिंह , रिंकू, लेखा , इंद्रसेन , ने उन्हें पुष्प गुच्छ, माला और शाल पहना कर स्वागत किया गया । छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष एवं रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी हेमबती को बधाई देते हुए उनके उज्जव भविष्य की कामना किए हैं। विमानतल में महीला एवं बाल विकास विभाग छत्तीसगढ़ सरकार के अधिकारी मिडिया के लोगो ने भी उनसे भेट किए।राजेन्द्र कुमार निगम संयुक्त सचिव छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद रायपुर।

अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू करने बृजमोहन ने ली एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हवाई सेवाओं के विस्तार और स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को यात्रियों के लिए बेहतर बनाने हेतु गुरुवार को एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी (ब्ल्) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने की।

बैठक में रायपुर एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने के लिए आवश्यक कदमों पर विस्तार से चर्चा हुई। सांसद श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ से विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों के सही आंकड़े जुटाने हेतु इमीग्रेशन ऑफिस से डेटा संग्रहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एयरपोर्ट पर जल्द से जल्द इमिग्रेशन, कस्टम और कार्गो ऑफिस शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं प्रारंभ की जा सकें।

सांसद ने रायपुर से अंबिकापुर के लिए संचालित उड़ानों को पटना, प्रयागराज, बनारस, और रांची तक जोड़ने की संभावनाओं की तलाश करने के निर्देश दिए। साथ ही रायपुर से जयपुर, पुणे, पटना, रांची, और चंडीगढ़ के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने की कार्य योजना बनाने की बात कही। उन्होंने रायपुर-हैदराबाद उड़ान को वाया जगदलपुर संचालित करने के निर्देश भी दिए। एयर इंडिया और अकासा एयर जैसी एयरलाइंस को रायपुर से अपनी सेवाएं शुरू करने हेतु प्रोत्साहित करने का सुझाव भी दिया ताकि किराए में कमी के साथ यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके।

यात्रियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यानः बैठक में एयरपोर्ट पार्किंग की दरों, वेटिंग टाइम और पार्किंग कर्मियों के व्यवहार पर भी चर्चा की गई। श्री अग्रवाल ने वेटिंग टाइम को 10 मिनट करने और पार्किंग दरों में कमी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को एयरपोर्ट अथॉरिटी के साथ मिलकर इन मुद्दों पर समाधान निकालने के लिए कहा।

इसके अलावा, एयरपोर्ट परिसर में उचित दरों पर खाने-पीने की वस्तुएं उपलब्ध कराने और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को बढ़ावा देने के लिए आउटलेट खोलने के निर्देश दिए गए। एयरपोर्ट निदेशक डॉ. एस.डी. शर्मा ने बताया कि जल्द ही इन-लाइन बैगेज हैंडलिंग सिस्टम को चालू किया जाएगा, जिससे पंजीकृत सामान की स्क्रीनिंग में सुविधा होगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आउटबाउंड कार्गो सुविधा अगले तिमाही में पुनः शुरू की जाएगी।

राज्यपाल डेका ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उन्हें दी भावभीनी श्रद्धांजलि

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राजभवन में आयोजित शोक सभा में श्री डेका ने डॉ. सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का जाना केवल उनके परिवार और मित्रों के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

राज्यपाल श्री डेका ने डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यों का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे और उनके कार्यकाल में देश ने कई आर्थिक सुधार देखे। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में भी कार्य किया, जहाँ उन्होंने आर्थिक उदारीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनकी नीतियों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई।

श्री डेका ने कहा कि डॉ. सिंह की सादगी और विनम्रता ने उन्हें एक अद्वितीय नेता बनाया। उन्होंने हमेशा अपने कार्यों से यह सिद्ध किया कि नेतृत्व केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि लोगों की भलाई के लिए समर्पण है। उनकी बुद्धिमत्ता और दृष्टिकोण ने न केवल राजनीतिक क्षेत्र में बल्कि समाज के हर वर्ग में प्रेरणा दी। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व कैसे किया जाता है।

उन्होंने इस दुखद अवसर पर डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त की।

शोकसभा में राज्यपाल श्री डेका ने मृत आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन धारण किया। राज्यपाल के विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय सहित राजभवन के अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों ने भी श्रद्धांजलि

नेशनल पावर लिफ्टिंग और बॉडी बिल्डिंग चैम्पियन शिप रायपुर में 3 जनवरी से

रायपुर। 3 से 5 जनवरी को नेशनल पावर लिफ्टिंग और बॉडी बिल्डिंग चैम्पियन शिप का आयोजन बूढ़ेश्वर मंदिर भवन बूढ़ा तालाब के सामने किया जा रहा है। वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग इंडिया एसोसिएशन ऑफ छग के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार एवं बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल ने बताया कि 3 जनवरी दोपहर 12 बजे से नेशनल पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का उदघाटन होगा और 5 जनवरी शाम 4 बजे पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि उसी प्रकार 5 जनवरी को संध्या 6 बजे बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का उदघाटन होगा जिसमें 28वां मि रायपुर और प्रथम छग क्लासिक जूनियर सीनियर मास्टर एवं दिव्यांग महिला पुरुष बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता होगी। इसमें मेंस स्पोर्ट्स फिजिक की भी प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता में चयनित बॉडी बिल्डर 11 से 12 जनवरी की नेशनल बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में भाग लेंगे। सभी बॉडी बिल्डर को अपना आधार कार्ड लाना अनिवार्य है।

आरक्षण के लिए जारी हुई नई समय सारणी

रायपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत अध्यक्ष से लेकर पंच पद के लिए अभी आरक्षण तय नहीं हुआ है. इस कवायद के लिए अब नई समय सारणी जारी की गई है. अब यह प्रक्रिया 3 जनवरी से शुरू होकर 11 जनवरी को संपन्न होगी. संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच एवं पंच पद के प्रवर्गवार आरक्षण की कार्यवाही 3 जनवरी से शुरू होगी. 8 जनवरी को अधिसूचना का प्रकाशन किया जाएगा.।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दीपक बैज ने दी श्रद्धांजली

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि डॉ. सिंह का निधन दुखद है हम सब छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की ओर से विनम्र श्रद्धांजली अर्पित करते है। प्रधानमंत्री के रूप में अर्थशास्त्री के रूप में देश के लिये उनका योगदान अतुलनीय रहा है। आम आदमी को सशक्त बनाने के लिये

सूचना का अधिकार का कानून देना या फिर किसानों को उनके जमीन का पूरा हक देने के लिये भूमिअधिग्रहण कानून बनाना हो या फिर सड़क के किनारे काम करने वाले ठेले खोमचे वाले के लिये वेंडर प्रोटेक्शन कानून बनाना या फिर रोजगार को कानून का अधिकार देने मनरेगा लाना हो प्रधानमंत्री के रूप मे मनमोहन सिंह जी ने इस देश के आम आदमी सशक्त बनाने के लिये अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाये। उनका निधन भारत के लिये, देश की राजनीति के लिये कांग्रेस पार्टी के लिये अपूरणीय क्षति है। ईश्वर डॉ. सिंह को अपने चरणों में स्थान दे तथा इस दुख की घड़ी में परिवारजनों को सहनशक्ति एवं पूण्य आत्मा को शांति प्रदान करें।

अपूरणीय क्षति, छत्तीसगढ़ से जुड़ी अनेकों यादें - डॉ. महंत

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि, वे एक महान नेता, एक अनुभवी अर्थशास्त्री और एक सच्चे देशभक्त थे। उनका निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा आज देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी हमारे बीच

में नहीं रहे, वे कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उन्होंने शिक्षा प्राप्त की ऑक्सफ़ोर्ड से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि मिली। अर्थशास्त्र के प्रोफ़ेसर रहे संयुक्त राष्ट्र में काम किया योजना आयोग के उपाध्यक्ष रहे रिज़र्व बैंक के गवर्नर भी रहे देश के वित्त मंत्री रहकर देश को सबसे कठिन परिस्थिति से बाहर निकाला यूपीए सरकार के भारत देश के 10 वर्ष तक प्रधानमंत्री रहे और इसी दौरान देश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम दिया।नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा डॉ. मनमोहन सिंह जी का भारत के प्रधानमंत्री रहते हुए छत्तीसगढ़ से जुडी अनेको यादें है, वर्ष 2005 रायपूर गाँधी चौक रंगमंदिर में कॉंग्रेस पार्टी के आयोजन मे शामिल हुए।

सादगी से होगा राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता

रायपुर, 27 दिसंबर। गुरुवार सायं देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन के बाद अब रायपुर में आयोजित होने वाली 24वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता-2024 के कार्यक्रम में भी बदलाव हुए हैं। वनवासी विकास समिति द्वारा आयोजित की जा रही इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के विभिन्न कार्यक्रम रद्द किए गए हैं। डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन के बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है, जिसके बाद राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता की स्वागत समिति ने भी तय किया है कि प्रतियोगिता के दौरान होने वाली विशाल खेल ज्योति यात्रा, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मातृहस्त भोजन एवं प्रदर्शनी जैसे सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है।इस कार्यक्रम के उद्घाटन को भी सादगीपूर्ण एवं औपचारिक तरीके से करने का निर्णय लिया गया है। समय में बदलाव करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी को श्रद्धांजलि देने के बाद अब दोपहर 3 बजे प्रतियोगिता का उद्घाटन किया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री के निधन के चलते प्रतियोगिता के समापन को भी सामान्य एवं औपचारिक रखा गया है।गौरतलब है कि राजधानी रायपुर में 24वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है, जिसमें 25 प्रान्तों के 800 से अधिक जनजातीय खिलाड़ी तीरंदाजी एवं फुटबॉल के खेल में भाग लेने आये हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्था भव्य एवं अभूतपूर्व रखी गई थी।

सीएम ने पं. सुंदरलाल शर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सुधारक और प्रसिद्ध साहित्यकार स्वर्गीय पंडित सुंदरलाल शर्मा की 28 दिसम्बर को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडित सुंदरलाल शर्मा छत्तीसगढ़ में जनजागरण और सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। पंडित सुंदरलाल शर्मा ने

किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी और प्रसिद्ध कंडेल सत्याग्रह के प्रमुख सूत्रधार रहे। उन्होंने ग्रामीण इलाकों में फैले अंधविश्वास, छुआ-छूत, रूढ़िवाद जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए अथक प्रयास किया। उनके अमूल्य विचार हमें सदैव मातृभूमि की निस्वार्थ सेवा करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

कुशाभाऊ ठाकरे की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमनः मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वर्गीय श्री कुशाभाऊ ठाकरे की 28 दिसम्बर को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कुशाभाऊ ठाकरे जी के देश के लिए योगदान को याद करते हुए कहा है कि कुशाभाऊ जी नैतिकता, आदर्श व सिद्धांतों के प्रकाश स्तंभ थे। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण अटूट था।

गुणवत्ता और समयसीमा का पालन अनिवार्य : बोरा

रायपुर। आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने इंद्रावती भवन स्थित आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग का औचक निरीक्षण किया और विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेषित मांग-पत्रों के शीघ्र निराकरण, और छात्रावास-आश्रम भवन निर्माण की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई।प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि छात्रावास और आश्रम भवनों के निर्माण में पूर्ण गुणवत्ता और समयसीमा का पालन किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के लिए विभागीय अधिकारियों और सहायक आयुक्तों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करना आवश्यक है और इसके लिए मासिक व पाक्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। योजनाओं की प्रगति और अपडेशन कार्य को डिजिटाइजेशन के माध्यम से और बेहतर किया जा सकता है, जिससे समय की बचत होगी। बैठक में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में निर्माणाधीन ट्रायबल म्यूजियम और शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय के निर्माण कार्य की स्थिति की समीक्षा की गई। श्री बोरा ने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में इन दोनों परियोजनाओं का कार्य 30 जनवरी 2025 तक पूर्ण हो जाना चाहिए।

नौ और स्वास्थ्य संस्थाओं को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने नवंबर-दिसंबर माह में अस्पताल का किया था मूल्यांकन

रायपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने वाले राज्य के नौ स्वास्थ्य केन्द्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान किया है। इनमें जांजगीर चांपा, सूरजपुर, महासमुंद, दुर्ग व बिलासपुर के स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों पर खरे उतरने वाले स्वास्थ्य केन्द्रों को एनक्यूएएस प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र हासिल करने वाले इन सभी अस्पतालों के डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टॉफ को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का कार्य

निरन्तर जारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि ये अस्पताल आगे भी अपनी उत्कृष्टता बरकरार रखते हुए मरीजों की सेवा करेंगे और प्रदेश के दूसरे अस्पतालों के लिए नए प्रतिमान स्थापित करेंगे।

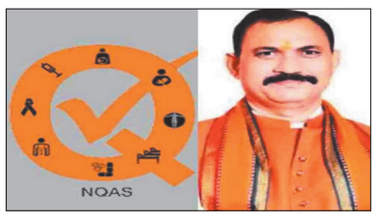

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने इस साल नवम्बर में इन नौ स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों के लिए उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण किया था। टीम ने इस संबंध में मरीजों से भी फीडबैक लिया था। टीम के मूल्यांकन में सूरजपुर जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चुंगड़ी को 86.65 प्रतिशत, उप स्वास्थ्य केन्द्र पाकनी को 86.43 प्रतिशत, पालदा को 84.11 प्रतिशत व जाजावल को 80.44 प्रतिशत, जांजगीर चांपा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तिलई को 88.22 प्रतिशत व आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र सुकुलपारा को 88.57 प्रतिशत, महासमुंद जिले के उपस्वास्थ्य केन्द्र सोनासिल्ली को 87.32 प्रतिशत, दुर्ग जिले के उप स्वास्थ्य केन्द्र कोड़िया को 82.50 प्रतिशत व बिलासपुर जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र लुफा को 83.83 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है। इनमें उपलब्ध सेवाएं, मरीजों के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विसेस, क्लिनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कंट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल हैं। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किए जाते हैं।

इस आधार पर होता है चयनः राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर जांच करती है. अस्पताल में उपलब्ध सेवाएं, मरीजों के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विसेस, क्लिनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कंट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर पर परखे जाते हैं।

हर व्यक्ति जन्म से मृत्यु तक सभी आवश्यकता को पूरा करने निभाता है ग्राहक की भूमिका - सक्सेना

रायपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के रायपुर इकाई ने पिछले दिनों राष्ट्रीय ग्राहक दिवस के अवसर पर वृंदावन हाल आज के युग में ग्राहकों के अधिकार एवं कर्तव्य विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता पूर्व राष्ट्रीय सह सचिव विवेक सक्सेना ने ग्राहक संगठन की आवश्यकता एवं कार्य पद्धति की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि हर व्यक्ति जन्म से मृत्यु तक उसकी सभी आवश्यकता को पूरा करने के लिए ग्राहक की भूमिका में होता है। आज वह बाजार से प्रभावित होकर बिना आवश्यकता के भी खरीदी करने लगा है। जागरूकता के अभाव में वह शोषण का शिकार हैं । ग्राहक और दुकानदार के बीच आपसी संबंधों को भी बनाए रखना जरूरी है। आज आवश्यकता ग्राहकों के प्रशिक्षण की है, इसके लिए हर क्षेत्र में कार्यकर्ता टीमों की आवश्यकता है। ग्राहक पंचायत इस दिशा में भी सक्रिय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष श्री डी पी तिवारी ने उपभोक्ता अधिनियम 1986 में हुए संशोधन की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा उपभोक्ता संरक्षण हेतु कानूनों और नियमों का निर्माण किया गया है। ग्राहकों के संरक्षण के लिए सरकार ने व्यवस्था बनाई हुई है, हमें उसका उपयोग करना चाहिए। हर ग्राहक को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना चाहिए। महानगर अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने कहा कि आम उपभोक्ताओं ने चिकित्सा क्षेत्र में हो रही लूट पर चर्चा करते हुए इस बात पर ध्यान आकर्षित किया कि अस्पताल में उनके परिसर में स्थापित दुकान से ही दवाई खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.